पौष माह, वर्ष-10, अंक 186, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज गुरुवार 03 अक्टूबर, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

आधुनिक समाचार आ Adhunik Samachar

Google Play Adhunik Samachar

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

10 वर्ष विश्वास के

श्रीरामलीला के माध्यम से सनातन संस्कृति का प्रचार-प्रसार होगा-मुन्ना कुमार शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा ने कहा

नोएडा रामलीला समिति के तत्वावधान में श्री जानकी कला मंच लीला मंडली के पचपन सर्वश्रेष्ठ कलाकारों ?द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में रामलीला का मंचन किया जायेगा।श्रीराम मित्र कि हमें जीवन में अगली पीढ़ी को अगर कुछ देना है तो रामलीला के मंचन से उत्तम कोई कार्य नहीं हो सकता है।यह धन-संपत्ति से भी ज्यादा नरुपी है। इस पूरे ब्रहमांड में हम मनुष्यों के लिए भगवान श्री राम से बड़ा चरित्र अभी तक दर्शाया नहीं गया है।यह हमारे लिए बहुत ही सौभाग्य का विषय है कि सनातन संस्कृति ने दशहरा महोत्सव के माध्यम से भगवान श्री राम की लीलाओं के साथ हम सामान्य जनमानस को अपने परिवारों के साथ जुड़ने का सौभाग्य दिया है।श्रीराम मित्र मंडल नोएडा इसमें अग्रणी है।पचपन से ज्यादा कलाकारों द्वारा 150 फीट लंबा,50 फीट चौड़ा और 6 फीट ऊंचा दोमंजिला स्टेज के साथ आधुनिक प्रकाश एवं ध्वनि के अ?द्भुत मिश्रण के साथ रामलीला का आयोजन किया जायेगा।इस बार क्षेत्रवासी अत्यधिक आनंदित करने वाली रामलीला का आनंद लेंगे। समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया इस भव्य रामलीला के मुख्य आकर्षण में विभिन्न स्टाल, फूड कोर्ट,शानदार एवं भव्य झूलों के साथ सुनियोजित मेले का आयोजन होगा।समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग ने बताया कि दशहरा महोत्सव पर रावण का 70 फीट, कुंभकरण का 65 फीट और मेघनाद का 60 फीट के पुतले बनाए जा रहे हैं और उनके दहन के साथ भव्य आतिशबाजी की जाएगी। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल,गौरव मेहरोत्रा,पवन गोयल,बजरंगलाल गुप्ता,आत्माराम अग्रवाल एवं तरुण राज ने बताया कि श्रीराम बारात शोभायात्रा के माध्यम से पूरे शहर में सनातन संस्कृति का प्रचार-प्रसार । ि क । ऽ ए । । जायेगा।भगवानराम,श्रीलक्ष्मण,श्रीभरत, श्रीशत्रुघ्न,राजा दशरथ,गुरु वशिष्ठ,गुरु विश्वामित्र,भगवान परशुराम,महाराजा अग्रसेन की झांकियों से पूरा शहर सनातनमय हो जायेगा।शहर में लगभग दो दर्जन स्थानों पर शोभायात्रा का स्वागत होगा।शोभायात्रा 07 अक्टूबर को दोपहरबाद 01.00 बजे सेक्टर-20 के हनुमान मंदिर से निकाली जाएगी।

पुलिस उत्पीड़न से परेशान वेंडर्स ने सीटू के नेतृत्व में थाना सेक्टर- 49, व नोएडा प्राधिकरण पर प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा थाना सेक्टर- 49 के अंतर्गत पुलिस चौकी प्रभारी सेक्टर- 51, नोएडा से प्रताड़ित

सेक्टर- 50, नोएडा वैंडिंग जोन संख्या- 4 के दुकानदारों ने सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन की अध्यक्ष पूनम देवी, मंत्री भरत डेंजर, जनवादी महिला समिति की जिलाध्यक्ष रेखा चौहान, यूनियन के पदाधिकारी हरी गुप्ता, कपिल पासवान आदि के नेतृत्व में थाना प्रभारी थाना सेक्टर- 49, नोएडा को संबोधित ज्ञापन थाना सेक्टर- 49, नोएडा पर दिया उसके बाद वेंडर्स ने नोएडा प्राधिकरण कार्यालय सेक्टर- 6, नोएडा पर प्रदर्शन कर मुख्य कार्यपालक अधिकारी को संबोधित ज्ञापन दिया। सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा बनाए गए उक्त वेंडिंग जोन के वेंडर्स को अनुचित निजी लाभ के उद्देश्य से स्थानीय पुलिस परेशान कर रही है, और उन्हें सही तरीके से रोजगार नहीं करने दिया जा रहा है।

हैरिस के रनिंग मेट के '2020 के ट्रंप के चुनाव हारने' के सवाल पर भड़के वेंस

अमेरिका। उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को हुई बहस में ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस और डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी मिनेसोटा के गवर्नर टिम

वॉल्ज आमने-सामने आए। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में हैं। हालांकि, इन सबके बीच पिछली बार हुए चुनाव को लेकर विवाद गहरा गया है। रिपब्लिकन पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस ने यह स्वीकार करने से इनकार कर दिया कि ट्रंप साल 2020 में चुनाव हार गए थे। दरअसल, जेडी वेंस से पूछा गया था कि क्या पूर्व राष्ट्रपति इस साल के चुनाव नतीजों को चुनौती देने की कोशिश करेंगे, भले ही ये हर राज्य में प्रमाणित हों। इसका उन्होंने कोई सीधा जवाब नहीं दिया। उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को हुई बहस में ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस और डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज आमने-सामने आए। यह बहस ऐसे समय में हो रही जब करीब एक महीने पहले देश अगले राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस और रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप में से किसी एक को चुनेगा।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE कौशलं बलम् NAINI ALLAHABAD

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

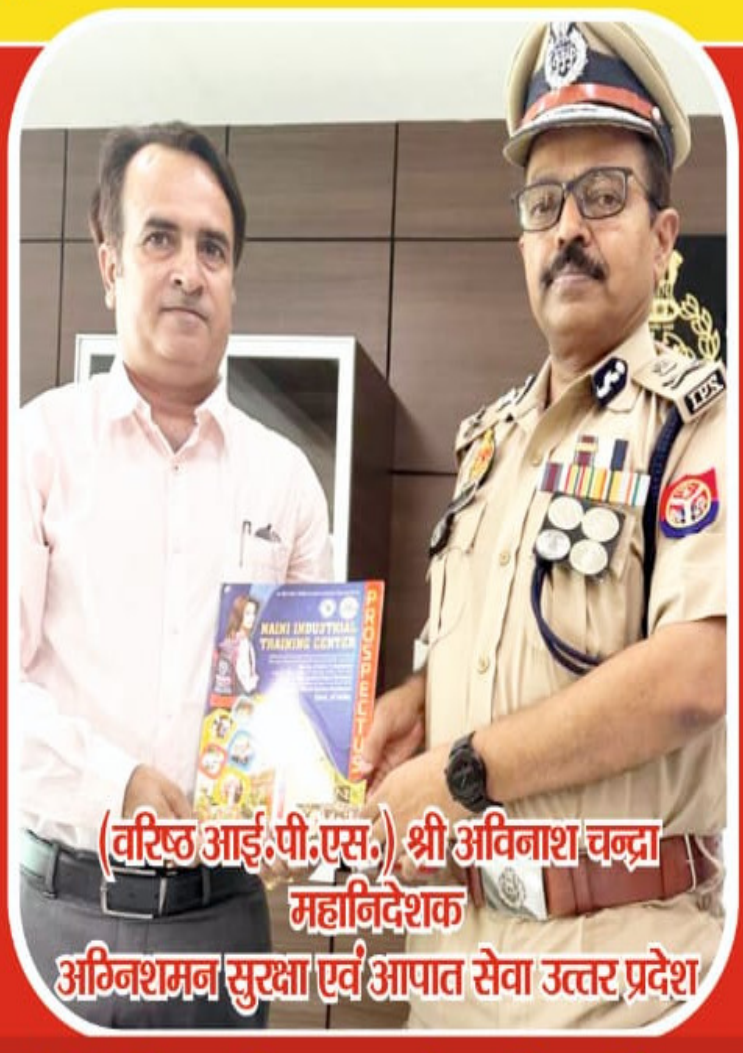

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity ALL TYPE PRINTING SOLUTION

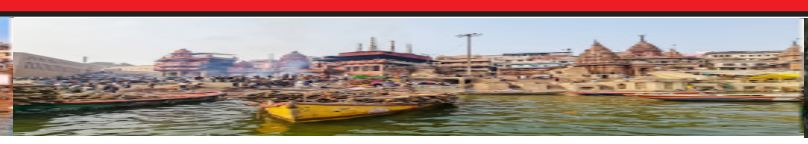

खेलते समय फूट गया गुब्बारा तीन वर्ष के मासूम की गई जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। खेलते समय गुब्बारा फटने से तीन वर्षीय मासूम की मौत में बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। खेलते समय गुब्बारा फटने से तीन वर्ष के मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। विवाहिता अपने बच्चे को लेकर मायके आई थी। फटने के बाद गुब्बारे का कुछ अंश श्वांस नली में फंस गया। इससे वह तड़पने लगा। आनन फानन परिजन अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डाक्टर ने कहा गुब्बारे का अंश सांस की नली में फंसने से उसकी सांस थम गई।

हो गई। फटने के बाद गुब्बारे का कुछ अंश बच्ची की श्वांस नली में फंस गया और उसके मुंह से झाग निकलने लगा। परिजन तत्काल पास के अस्पताल में ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बारे में जिसने भी सुना वह स्तब्ध रह गया। लालगोपालगंज है। जिस गुब्बारे से फूदक-फुदक कर मासूम खेल रही थी, वही उसकी मौत का कारण बनेगा, ऐसा किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था। तीन वर्ष की सायरा की जान गुब्बारे के फटने और श्वास नली में जा चिपकने के कारण चली गई। घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के लालगोपालगंज स्थित मोहल्ला इमामगंज की है।उतरांव थाना क्षेत्र के फतूहां गांव निवासी नाज बानो पत्नी इमरान अहमद कुछ दिन पूर्व अपनी एकलौती बेटी सायरा (3) को लेकर मायके आई थी। बुधवार को दिन में करीब ग्यारह बजे उसके नाना ने नतिनी को खेलने के लिए गुब्बारे लाकर दे दिया। मासूम गुब्बारा पाकर उससे खेल रही थी, तभी अचानक गुब्बारा फूट गया और मासूम जमीन पर गिर कर तड़पने लगी। उसके मुंह से झाग निकलता देख घर वाले बदहवास होकर पास स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। डाक्टर ने कहा गुब्बारे का अंश सांस की नली में फंसने से उसकी सांस थम गई।

डॉक्टर की मौत में असिस्टेंट प्रोफेसर समेत तीन पर हत्या का केस, आरोपियों में गर्लफ्रेंड भी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर कार्तिकेय की मौत के मामले में उनकी गर्लफ्रेंड समेत तीन के खिलाफ हत्या की आशंका जाहिर करते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह मुकदमा डॉक्टर की जेल अधीक्षक बहन ने दर्ज कराया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर कार्तिकेय श्रीवास्तव की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। उनकी बहन ने हत्या का शक जताते हुए संस्थान के ही एक असिस्टेंट प्रोफेसर व दो जूनियर डॉक्टरों पर केस दर्ज कराया है। इनमें डॉक्टर की सहपाठी महिला मित्र भी शामिल है। बहन अदिति का आरोप है कि सीनियर डॉक्टर शिवम गुप्ता उनके भाई को प्रताड़ित करते थे। इस बात की शिकायत के बावजूद असिस्टेंट प्रोफेसर सचिन यादव ने कोई कार्रवाई नहीं की। यही नहीं उन्होंने प्रताड़ित भी किया। उधर जूनियर डॉक्टर अनामिका पर आरोप है कि उसने डॉक्टर कार्तिकेय को अपमानित किया। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच पड़ताल कराई जा रही है। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के जूनियर रेजिडेंट कार्तिकेय श्रीवास्तव (27) एसआरएन अस्पताल के पार्किंग एरिया में अपनी कार के भीतर मृत पड़े मिले थे। कार में एनेस्थीसिया में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन के दो वायल और सिरिंज मिली हैं। घटना को लेकर पहले आत्महत्या की आशंका जाहिर की गई थी।

अखिलेश यादव का दावा फिर होगा फेल, उप चुनाव और 2027 के चुनाव में होगी भाजपा की विजय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने का कि सपा मुखिया अखिलेश ने 2014, 2017, 2022 और 2024 में जीत का दावा कर चुके हैं लेकिन हर बार उनका दावा गलत साबित हुआ है। पीएम मोदी को रोकने के लिए उन्होंने 2024 में कांग्रेस से हाथ मिला, लिया, फिर भी मोदी को प्रधानमंत्री बनने से नहीं रोक सके। प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम बुधवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव का दावा फिर होगा। भाजपा यूपी में होने वाले उप चुनाव के साथ ही 2027 में विधानसभा चुनाव में सर्वाधिक सीट जीतने जा रही है। अखिलेश ने

और 2024 में जीत का दावा कर चुके हैं लेकिन हर बार उनका दावा गलत साबित हुआ है। पीएम मोदी को रोकने के लिए उन्होंने 2024 में कांग्रेस से हाथ मिला, लिया, फिर भी मोदी को प्रधानमंत्री बनने से नहीं रोक सके। प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम बुधवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता। प्रदेश की कानून व्यवस्था दुरुस्त है। लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी ने समीक्षा की है। उप चुनाव में जीत हासिल कैसे किया जाए इस पर मंथन चल रहा है। उप चुनाव में अधिकांश सीटें भाजपा जीतने जा रही है। पार्टी हर चुनाव को गंभीरता से लेती है और पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ती है। चुनाव में किसको टिकट मिलेगा यह पार्टी हाईकमान तय करेगा।अयोध्या में सपा नेता का डीएनए मैच न होने के प्रश्न पर कहा कि डीएनए मैच न होने पर सपाइयों को खुश होने की जरूरत नही है, जिसका डीएनए मैच हुआ है वह भी उन्हीं की पार्टी का कार्यकर्ता या ड्राइवर है। अबोध बालिका के साथ इस तरह कि घिनौना कृत्य करने वालों को शर्मिंदा होना चाहिए न कि खुश होना चाहिए। अदालत ऐसे लोगों को सजा जरूर देगी। नवरात्र में मांस मदिरा की दुकानों पर बैन लगाने के सवाल पर कहा कि साधु-सतों का जो भी निर्देश होगा सरकार उस पर अमल करेगी। शाही और पेशवाई शब्द हटाने के शब्द पर कहा कि संतों का मेले को लेकर माघ मेले और महाकुंभ को लेकर जो आदेश होगा उसका पालन किया जाएगा। आने वाला महाकुंभ भव्य, दिव्य और स्वच्छ होगा। 2019 में 24 करोड़ लोग आए थे, इस बार उम्मीद है इस बार संख्या दो गुनी भी हो सकती है। महाकुंभ को लेकर पूरे देश में काफी उत्साह है। बरसात और बाढ़ खत्म है। अब कार्यों में तेजी आएगी। शाही और पेशवाई शब्दों पर संतों की आपत्ति पर कहा कि यह संतों के द्वारा ही बनाया गया शब्द है। कुंभ मेला, माघ मेला और अन्य मेलों को लेकर संतों के जो निर्देश और सुझाव होगा सरकार उस पर विचार करेगी।

डिप्टी सीएम केशव ने गांधी जयंती पर किया श्रमदान, संगम क्षेत्र और हनुमान मंदिर में की सफाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने गांधी जयंती के मौके पर संगम तट पर सफाई अभियान चलाया। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने संगम तट पर साफ सफाई की और कहा कि स्वच्छ भारत का सपना गांधी जी का था। देश का स्वच्छ रखना ही गांधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती जनपद में धूमधाम से मनाई गई। विभिन्न राजनैतिक, व्यापारिक और गैर सरकारी संस्थाओं की ओर से महात्मा गांधी को नमन किया गया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संगम क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। इसके बाद सिविल लाइंस हनुमान मंदिर में साफ सफाई की। इस दौरान महापौर गणेश केसरवानी, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र समेत पार्टी के बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। केशव ने संगम तट पर सफाई करने वाले सफाईकर्मियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। साथ ही संगम में आने वाले तीर्थ यात्रियों से कूड़ा-करकट, पॉलिथीन इत्यादि का प्रयोग न करने का अनुरोध भी किया। साथ ही बालसन चौराहा पर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। साथ ही मेडिकल कॉलेज चौराहे पर लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। केशव ने सिविल लाइंस हनुमान मंदिर परिसर में महात्मा गांधी जी की जयंती पर आयोजित सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत 'स्वच्छता अभियान' में सम्मिलित होकर साफ-सफाई की। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर अपने आस-पास स्वच्छता अभियान चलाकर सेवा पखवाड़ा में भाग लेने की लोगों से अपील की।

आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में अब एक प्रश्नपत्र, आयोग ने किया बड़ा बदलाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने समीक्षा अधिकारी-सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ-एआरओ) परीक्षा में एक अहम बदलाव किया है। अब दो की जगह एक ही परीक्षा होगी। साथ ही दो की जगह अब तीन घंटे अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए मिलेंगे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने समीक्षा अधिकारी-सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ-एआरओ) परीक्षा में बड़ा बदलाव किया है। अब आरओ-एआरओ परीक्षा के एक ही प्रश्न पत्र होंगे। पहले सामान्य अध्ययन और हिंदी के दो अलग-अलग प्रश्न पत्र होते थे। साथ ही अब दो की जगह तीन घंटे की परीक्षा होगी। एक प्रश्न पत्र में ही सामान्य अध्ययन 140 और हिंदी के 60 प्रश्न होंगे। आरओ-एआरओ की प्रारंभ परीक्षा का पेपर 11 फरवरी को लीक हो गया था। जिसके बाद अभ्यर्थियों ने आंदोलन शुरू कर दिया था। प्रारंभिक जांच में भी पेपर लीक होने की पुष्टि हुई। इसके बाद आयोग ने दोबारा परीक्षा कराने का फैसला किया। आयोग के कैलेंडर में यह परीक्षा 22 दिसंबर को प्रस्तावित है।

आधुनिक
गेस्ट हाउस
• वाटर प्रूफ शेड
• पार्किंग की सुविधा
• मन्दिर की सुविधा
• सी.सी.टीवी.
• छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
• 45000 sq. feet. एरिया
• हरे-भरे वातावरण
• AC कमरा (VIP)
CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710
आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

DURGAWATI INTERNATIONAL SCHOOL & COLLEGE
URGENT REQUIREMENT
TRAINED & EXPERIENCED TEACHERS
FOR CLASSES VI to XII
SUBJECTS - ENGLISH, MATHS, S.ST , SCIENCE & COMPUTER
RESIDENCE FACILITY ALSO AVAILABLE FOR TEACHERS
Walk in Interview on 23-06-2024
Interested Candidates can send their Resume on the given contacts
Candidate should hold fluent English Communication Skill along with the qualified degrees
For more details Contact on: 7505561664, 9415017879

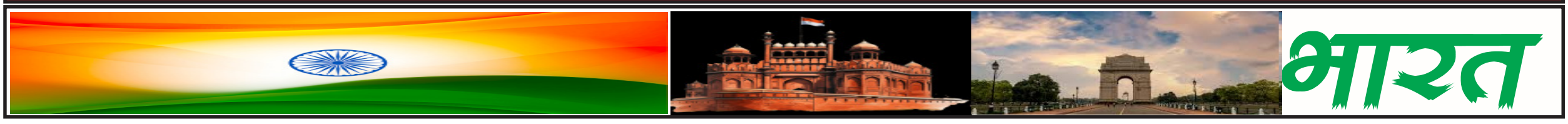

संक्षिप्त समाचार

जिरीबाम में फिर भड़की हिंसा, चूड़ाचांदपुर, कांगपोकपी में जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मणिपुर पुलिस ने बताया कि जिरीबाम जिले में शनिवार को कुछ संदिग्ध उपद्रवियों ने सुबह करीब 11.30 बजे मोंगबुंग मैतेई गांव में अंधाधुंध फायरिंग की। बताया जा रहा है कि, दोनों पक्षों की ओर से

भयंकर गोलीबारी की जा रही है। मणिपुर में जिरीबाम जिले के एक गांव में शनिवार को कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने गोलीबारी की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ हथियारबंद लोगों ने पास की पहाड़ियों और आसपास के घने जंगलों से मैतेई आबादी वाले गांव मोंगबुंग पर अंधाधुंध गोलीबारी की। जिसके बाद गांव के स्वयंसेवकों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी की गई है।मणिपुर पुलिस ने बताया कि जिरीबाम जिले में शनिवार को कुछ संदिग्ध उपद्रवियों ने सुबह करीब 11.30 बजे मोंगबुंग मैतेई गांव में अंधाधुंध फायरिंग की। बताया जा रहा है कि, दोनों पक्षों की ओर से भयंकर गोलीबारी की जा रही है। इस गोलीवबारी को देखते हुए महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित जगहों पर पहुचाया जा रहा है।मोंगबुंग मैतेई गांव, जिरीबाम जिला मुख्यालय शहर से सात किलोमीटर दूर स्थित है। जून में जिले में भड़की हिंसा के दौरान इस गांव में कई हमले हुए थे। ग्रामीणों के हवाले से एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मौजूदा स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाबलों को भेजा गया है। इस गोलीबारी में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

महिला-शिक्षा, उस रथ के पहिए, जो देश को चलाएंगे'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देश में गुणवत्तापूर्ण और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा प्रदान करने की क्षमता के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की सराहना करते

हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा के बिना कोई बदलाव नहीं हो सकता। शिक्षा गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए, उद्देश्यपूर्ण होनी चाहिए।राजस्थान के जयपुर में शनिवार को इंडिया इंटरनेशनल स्कूल में छात्रों और शिक्षकों के साथ संवाद करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा समाज में सबसे बड़ा स्तर है, यह समानता लाती है और लोकतंत्र के प्रस्फुटित होने के लिए यह एक जरूरी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज में शिक्षा असमानताओं को दूर कर समानता लाती है, शिक्षा सामाजिक व्यवस्था में बराबरी लाने का सबसे बड़ा साधन है, शिक्षा लोकतंत्र की प्राणवायु है। वैदिक काल में भारतीय समाज कि संरचना पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अगर हम अपने वेदों पर नजर डालें तो उनमें महिलाओं की शिक्षा और भागीदारी पर बहुत जोर दिया गया है। हम बीच में कहीं रास्ता भटक गए थे, लेकिन वैदिक काल में महिलाएं उच्च स्तर पर थीं।

महात्मा गांधी के जीवन ने साहस, ताकत और उम्मीद दी', मुडा घोटाले को लेकर बोले सीएम सिद्धारमैया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती पर सीएम सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने यहां विधान सौध के परिसर में गांधी भवन से गांधी प्रतिमा तक मार्च निकाला। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि महात्मा गांधी के जीवन और विचारों ने उन्हें 'मौजूदा संघर्ष' में साहस, ताकत और उम्मीद दी है। बता दें, सीएम के खिलाफ मुडा घोटाला मामले में लोकायुक्त पुलिस और ईडी की जांच चल रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती पर सीएम सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने यहां विधान सौध के परिसर में गांधी भवन से गांधी प्रतिमा तक मार्च निकाला।कर्नाटक मुख्यमंत्री ने मामले का जिक्र बिना किए कहा, 'सच्चाई की असली परीक्षा का सामना करने के मेरे मौजूदा संघर्ष में बापू के जीवन और विचारों ने मुझे साहस, शक्ति और उम्मीद दी है। देश के सभी लोगों को गांधी जयंती की शुभकामनाएं।' गांधी जयंती के अवसर पर सिद्धारमैया

और शिवकुमार ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी के दर्शन के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में सफेद पोशाक पहने सिद्धारमैया और शिवकुमार के साथ कानून मंत्री एच के पाटिल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर सहित अन्य मंत्री भी शामिल हुए। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लिए और 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' के नारे लगाते हुए बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कड़ी सुरक्षा के बीच गांधी पदयात्रा में हिस्सा लिया। इस अवसर पर विधानसौध स्थित बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से स्वच्छता की शपथ ली शिवकुमार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक तस्वीर साझा की। साथ ही कहा, 'महात्मा गांधी की 155वीं जयंती और बेलगाम (बेलगावी) स्वतंत्रता आंदोलन के 100 साल पूरे होने के अवसर पर मैंने और मुख्यमंत्री ने गांधी पैदल यात्रा में भाग लिया। सत्य और अहिंसा की शपथ हमेशा कठिन होती है, लेकिन इसका फल मिलता है। महात्मा गांधी ने दुनिया को यह सबक सिखाया।'उन्होंने कहा, 'आज, हजारों कार्यकर्ताओं और नेताओं ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए कदम उठाए, जिन्होंने दुनिया में शांति का संदेश फैलाया।

1 दिन की तपस्या के तहत तिरुपति मंदिर पहुंचे पवन कल्याण; बेटी ने भी दर्शन से पहले आस्था जाहिर की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जनसेना ने कहा कि उपमुख्यमंत्री और जनसेना के अध्यक्ष पवन कल्याण ने आज जिसे वह गुरुवार को एक बैठक में घोषित करेंगे। जनसेना ने एक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी। बता दें कि पवन कल्याण ने पिछली

तिरुमाला श्रीवारी दर्शनम किया। वे अपने साथ विराही घोषणापत्र लेकर गए, जिसे वे गुरुवार को बैठक में पढ़ेंगे। आंध्र प्रदेश में तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी मिलने के बाद राज्य की राजनीति गरमाई हुई है। इस बीच उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बुधवार को अपनी बेटियों के साथ तिरुपति मंदिर का दौरा किया। उन्होंने इस दौरे के दौरान अपने साथ वाराही घोषणापत्र लेकर गए, सरकार द्वारा किए गए पापों के प्रायश्चित करने के लिए 11 दिनों का उपवास रखने का फैसला किया था। उन्होंने इस तपस्या के बीच मंदिर का दौरा किया। उनकी छोटी बेटी ने बताया कि वह भगवान वेंकटेशिवर में आस्था रखती हैं। जनसेना ने कहा, ठउपमुख्यमंत्री और जनसेना के अध्यक्ष पवन कल्याण ने आज तिरुमाला श्रीवारी दर्शनम किया। वे अपने साथ विराही घोषणापत्र लेकर गए, जिसे वे गुरुवार को बैठक में पढ़ेंगे।ठ मंदिर जाने से पहले पवन कल्याण की छोटी बेटी पलिना अंजनी कोनिडेला ने बताया कि वह भगवान वेंकटेश्वर में आस्था रखती है। जनसेना ने विज्ञप्ति में आगे कहा, ठपलिना अंजनी कोनिडेला ने तिरुमाला में श्रीवारी (देवता) के दर्शन की आस्था जाहिर की। उन्होंने टीटीडी स्टाफ द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।ठ हालांकि, पलिना अंजनी नाबालिग है, इसलिए उनके पिता पवन कल्याण ने भी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किया। डिप्टी सीएम की छोटी बेटी कथित तौर पर एक गैर हिंदू हैं। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के नियमों के तहत इस बात की अनिवार्यता है कि गैर-हिंदूओं को मंदिर में दर्शन करने से पहले भगवान के प्रति अपनी आस्था जाहिर करनी होती है। इसके लिए उन्हें एक घोषणा पत्र देना होता है। बता दें कि यह घोषणा महत्वपूर्ण है, क्योंकि भाजपा नेताओं और कई हिंदूओं ने मांग की थी कि वाईएसआीसीपी प्रमुख और पूर्व सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी को मंदिर की अपनी यात्रा रद्द करने से पहले इसी तरह की घोषणा जारी करनी होगी।

अमित शाह से मिले अजित पवार एमवीए का दावा चुनाव में हो रही देरी, महायुति को हराएंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महायुति के तीनों सहयोगी दलों ने 228 सदस्यीय विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को अभी अंतिम रूप नहीं दिया है। राज्य में विधानसभा चुनाव अगले महीने होने की उम्मीद है। चुनावों में सत्तारूढ़ महायुति को हराएगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि चुनाव में देरी हो रही है। सीट बंटवारे पर बातचीत सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। विपक्षी गठबंधन एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा। एमवीए (उद्धव ठाकरे की शिवसेना, कांग्रेस

हालांकि, चुनाव आयोग ने चुनावी तैयारियों को लेकर राज्य का दौरा किया था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में बैठकों का दौर जारी है। एक और महायुति से उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह से मुंबई मुलाकात की तो दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी में भी सीटों के बंटवारे को लकर मंथन हो रहा है। दोनों ही दल जल्द से जल्द सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। हालांकों, बैठक में क्या बात हुई, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं ह इस बीच महाराष्ट्र के कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला ने दावा किया कि एमवीए आगामी राज्य विधानसभा और शरद पवार की एनसीपी) घटकों के बीच कोई मतभेद नहीं है। मणि भवन में महात्मा गांधी की 155वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद चेन्निथला ने कहा कि हम महायुति (शिवसेना, भाजपा और एनसीपी) को हराएंगे। सवाल यह है कि चुनाव कब होंगे?बता दें कि अमित शाह और अजित पवार की बैठक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन में मौजूदगी और उनकी पार्टी की ओर से कुछ भाजपा नेताओं के मुस्लिम विरोधी प्रचार का विरोध करने को लेकर उपजे मतभेद की पृष्ठभूमि में हुई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता भी राकांपा को लेकर नुक्ताचीनी करते रहे हैं

जेलों में 'जाति आधारित भेदभाव' मामले को लेकर खफा सुप्रीम कोर्ट, कल आ सकता है ऐतिहासिक फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई 3 अक्टूबर की वाद सूची के अनुसार मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ अपलोड की गई 3 अक्टूबर की वाद सूची के अनुसार मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ इस याचिका पर

और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ इस याचिका पर फैसला सुनाएगी। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को एक 'जाति आधारित भेदभाव' से जुड़ी याचिका पर अपना एतिहासिक फैसला सुनाने वाली है। सुप्रीम कोर्ट में दायर इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि देश के कुछ राज्यों के जेल मैनुअल जाति आधारित भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। बता दें कि, सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश बल्कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत 17 राज्यों से जेल के अंदर जातिगत भेदभाव और जेलों में कैदियों को जाति के आधार पर काम दिए जाने पर जवाब मांगा था। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर फैसला सुनाएगी। सर्वोच्च न्यायालय ने इस साल जनवरी में इस याचिका पर केंद्र और उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों से जवाब मांगा था। हालांकि छह महीने बीतने के बाद भी केवल उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने ही अपना जवाब कोर्ट में दाखिल किया है।बता दें कि पिछली सुनवाई में भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने उत्तर प्रदेश सरकार के वकीलों की कड़ी फटकार लगाई थी। उत्तर प्रदेश सरकार के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में दावा किया था कि यूपी की जेलों में कैदियों के साथ कोई जातिगत भेदभाव नहीं होता है। डीवाई चंद्रचूड़ ने उत्तर प्रदेश की जेल नियमावली के कुछ प्रावधान पढ़कर खफा हो गए थे। इस पर उन्होंने कहा था कि, नियम 158 में मैला ढोने के कर्तव्य का जिक्र है। यह मैला ढोने का कर्तव्य क्या है? इसमें मैला ढोने वालों की जाति का उल्लेख है। इसका क्या मतलब है। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा था कि, इन राज्यों की जेल संहिता जेलों के अंदर काम के आवंटन में भेदभाव करती हैं और कैदियों की जाति के आधार पर उन्हें रखने की जगह तय होती है। याचिका में केरल जेल नियमों का हवाला देते हुए कहा गया कि वे आदतन और फिर से दोषी ठहराए गए दोषियों के बीच अंतर करते हैं। जिसमें कहा गया है कि जो लोग आदतन लुटेरे, घर तोड़ने वाले, डकैत या चोर हैं, उन्हें वर्गीकृत किया जाना चाहिए और अन्य दोषियों से अलग किया जाना चाहिए। याचिका में दावा किया गया कि पश्चिम बंगाल जेल संहिता में कहा गया है कि जेल में काम जाति के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए। जैसे खाना पकाने का काम प्रमुख जातियों द्वारा किया जाएगा और झाड़ू लगाने का काम विशेष जातियों के लोगों द्वारा किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय और अन्य को नोटिस जारी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से महाराष्ट्र के कल्याण की मूल निवासी सुकन्या शांता द्वारा दायर याचिका में उठाए गए मुद्दों से निपटने में सहायता करने को कहा था।

राम मंदिर के कार्यक्रम को नाच-गाना बताने पर घिरे राहुल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने हरियाणा में एक चुनावी रैली में कहा था कि अयोध्या में नाच-गाना हो रहा था। इसलिए संसदीय चुनाव में भाजपा अयोध्या लोकसभा सीट समाजवादी पार्टी के अवधेश सिंह से हार गई। अयोध्या में 22 जनवरी को हुए श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को नाच-गाने का कार्यक्रम बताने पर राहुल गांधी को भाजपा ने घेरा। भाजपा ने राहुल गांधी को अव्वल दर्जे के झूठे व्यक्ति करार दिया। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस नेता की टिप्पणियां गांधी परिवार की वास्तविक प्रकृति और हिंदू धर्म के प्रति अपमान को दर्शाती हैं।

बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले की जांच के लिए एच्ऊ का गठन, तीन महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपने के आदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पैनल घटना के सभी संबंधित पहलुओं की विस्तृत जांच करेगा। पिछले हफ्ते बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुलिस द्वारा अक्षय शिंदे को गोली मारने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि इस घटना गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन 23 सितंबर को गोलीबारी में पुलिस ने उसे मार गिराया। 23 सितंबर को मुंब्रा बाईपास के पास क्या हुआ, जिसके परिणामस्वरूप पुलिस को गोली चलानी पड़ी। जांच दल को कारण

को टाला जा सकता था और निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया पर जोर देना चाहिए था। महाराष्ट्र सरकार ने बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न मामले में पुलिस द्वारा गोलीबारी में मुख्य आरोपी अक्षय शिंदे की मौत की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एकल सदस्य जांच आयोग की अध्यक्षता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) दिलीप भोसले करेंगे। एसआईटी को रिपोर्ट सौंपने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है। बता दें कि अगस्त में ठाणे जिला में स्कूल अटेंडेंट ने चार और पांच साल की दो बच्ची से बाथरूम में कथित तौर पर यौन शोषण किया था। इस मामले का मुख्य आरोपी अक्षय शिंदे को और परिणाम का पता लगाने की जिम्मेदारी दी गई है। इस बात पर भी जांच होगी कि कहीं इस घटना में कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल है या नहीं। यह भी पता लगाया जाएगा कि स्थिति को संभालने के लिए पुलिस द्वारा उठाए गए कदम उचित थे या नहीं। पैनल घटना के सभी संबंधित पहलुओं की विस्तृत जांच करेगा। पिछले हफ्ते बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुलिस द्वारा अक्षय शिंदे को गोली मारने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि इस घटना को टाला जा सकता था और निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया पर जोर देना चाहिए था। कोर्ट ने गोलीबारी को अंजाम देने के तरीके पर भी सवाल उठाया।

सीएम के बेटे उदयनिधि स्टालिन होंगे उपमुख्यमंत्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एमके स्टालिन सरकार ने उदयनिधि स्टालिन को डिप्टी सीएम बनाया है। वहीं सेंथिल बालाजी को फिर से मंत्रीमंडल में

शामिल किया है। शपथ ग्रहण समारोह 29 सितंबर को दोपहर 3.30 बजे राजभवन में आयोजित किया जाएगा।तमिलनाडु सरकार ने शनिवार देर शाम मंत्रीमंडल में बड़ा फेरबदल किया है। एमके स्टालिन सरकार ने उदयनिधि स्टालिन को डिप्टी सीएम बनाया है। वहीं सेंथिल बालाजी को फिर से मंत्रीमंडल में शामिल किया है। शपथ ग्रहण समारोह 29 सितंबर को दोपहर 3.30 बजे राजभवन में आयोजित किया जाएगा। बता दें कि, उदयनिधि स्टालिन सीएम एमके स्टालिन के बेटे हैं। राज्य में काफी समय से उदयनिधि को डिप्टी सीएम बनाए जाने को लेकर चर्चाएं चल रही थी। कई मौकों पर पार्टी के कार्यकर्ता भी जश्न मनाते नजर आए थे।

दुनिया जीतने निकलीं नौसेना की दो जांबाज महिला अधिकारी, 21600 समुद्री मील की करेंगी यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभियान कितना खतरनाक और चुनौतियों से भरा होगा, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आठ महीने में 21,600 समुद्री मील की यात्रा महिला अधिकारी तय करेंगी। इनकी नाव केप लीउविन, केप हॉर्न और केप ऑफ गुड होप के आसपास के खतरनाक जल मार्ग से होकर

महिला अधिकारी तय करेंगी। भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारियों ने दुनिया पर फतह हासिल करने के लिए कमर कस ली है। भारतीय नौसेना की दो महिला अफसरों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और रूपा अलीगिरिसामी को पूरे विश्व के एकल नौकायन अभियान के प्रशिक्षण के लिए चुना गया है। यह महिला अधिकारी नाव पर बैठकर दुनिया का चक्कर लगाने के लिए आज रवाना हुईं। यह अभियान कितना खतरनाक और चुनौतियों से भरा होगा, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आठ महीने में 21,600 समुद्री मील की यात्रा महिला अधिकारी तय करेंगी। इनकी नाव केप लीउविन, केप हॉर्न और केप ऑफ गुड होप के आसपास के खतरनाक जल मार्ग से होकर जाएगी।भारतीय नौसेना की दो महिला अफसरों को पिछले साल नवंबर से 17 मीटर के पोत पर प्रशिक्षण दिया जा रहा था। प्रशिक्षण अभियान के तहत उन्होंने अब तक 38,000 समुद्री मील का नौकायन पूरा किया था। अब आखिरकार दोनों अधिकारी असली यात्रा पर निकल गई हैं। इनके अगले साल मई में गोवा लौटने की उम्मीद है। इस ऐतिहासिक यात्रा को पणजी के पास नौसेना महासागर नौकायन नोड 'आईएनएस मंडोवी' से रवाना किया गया तथा दोनों अधिकारी भारतीय नौसेना नौकायन पोत (आईएनएसवी) तारिणी पर सवार हुए।नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने दक्षिणी नौसेना कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास और अन्य की उपस्थिति में यात्रा को हरी झंडी दिखाई।एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने पत्रकारों से कहा, 'यह हम सभी के लिए एक गर्व का पल है। भारतीय नौसेना की दो जांबाज अधिकारी कठिन परिस्थितियों से लड़ने के लिए कौशल, साहस की भावना, निडरता और ध्यान तथा क्षमता का प्रदर्शन करेंगी। वहीं, भारतीय नौसेना उनके साहसिक कार्य पर नजर रखेगी। आज यात्रा शुरू करने के लिए हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि चालक दल के केवल दो सदस्य हैं, लेकिन मिशन भारतीय ध्वज को ऊंचा फहराने का है। वे 38,000 समुद्री मील तक नौकायन कर चुके हैं और तीन साल का प्रशिक्षण भी ले चुके हैं। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि आठ महीने की अवधि में दोनों अधिकारी बिना किसी बाहरी सहायता के 21,600 समुद्री मील से अधिक की यात्रा करेंगी और पूरी तरह से पवन ऊर्जा पर निर्भर रहेंगी। इस अभियान की परिकल्पना भारतीय नौसेना द्वारा 2017 में नाविका सागर परिक्रमा के उद्घाटन के साथ की गई थी, जो छह अधिकारियों के सभी महिला चालक दल द्वारा दुनिया की पहली भारतीय परिक्रमा थी।

गैर-वन विभागों को वन क्षेत्रों में आपदा नियंत्रण से जुड़े कार्य करने की इजाजत, नए दिशानिर्देश जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्य सचिव की ओर से मंत्रालय और

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को पत्र लिखकर बार-बार जंगल में आग लगने की आशंका वाले क्षेत्रों के लिए प्रभावी उपाय तलाशने की मांग करने के बाद ये दिशानिर्देश जारी किए गए।केंद्र सरकार ने कहा है कि ऐसी आपात स्थितियों में जहां राज्य वन विभाग के पास आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता का अभाव हो, वहां अन्य सरकारी विभागों को प्राकृतिक आपदाओं के नियंत्रण के लिए जंगलों में गतिविधियां चलाने की अनुमति दी जा सकती है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने मंगलवार को इस संबंध में दिशानिर्देश जारी किए, जिनमें वन क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं को रोकने या प्रबंधित करने के लिए उठाए जा सकने वाले कदमों के बारे में बताया गया है। उत्तराखंड के मुख्य सचिव की ओर से मंत्रालय और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को पत्र लिखकर बार-बार जंगल में आग लगने की आशंका वाले क्षेत्रों के लिए प्रभावी उपाय तलाशने की मांग करने के बाद ये दिशानिर्देश जारी किए गए।पत्र में आग की स्थिति में वन कर्मचारियों को तैयार करने के लिए मॉक ड्रिल कराने का भी आह्वान किया गया था। इसके साथ ही सरकारी विभागों को वन क्षेत्रों में मृदा व जल संरक्षण कार्य करने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया था। इस मुद्दे पर 27 अगस्त को मंत्रालय की वन सलाहकार समिति की बैठक में चर्चा की गई। मंगलवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में मंत्रालय ने कहा कि वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम, 1980 और उससे जुड़े दिशा-निर्देशों के अनुसार, आपातकालीन स्थितियों जैसे प्राकृतिक आपदाओं आदि के समय वन क्षेत्रों में कुछ वानिकी गतिविधियां की जा सकती हैं। ऐसा उस स्थिति में किया जा सकता है जहां वन्यजीवों, मानव जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता हो।इन गतिविधियों में अग्नि रेखाएं बनाना और उनका रखरखाव करना, मृदा व जल संरक्षण के लिए संरचनाओं का निर्माण करना, जैसे चेक डैम, जल टैंक, खाइयां और पाइपलाइन आदि शामिल हैं।

मिर्ज़ापुर

सोनभद्र

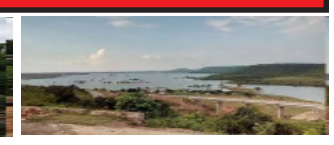

पंचायत भवन के रूम मे लाखो का मिला तेदू पता कौन है मालिक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । मांची थाना क्षेत्र के चरगड़ा गांव में आज रविवार दोपहर बाद लाखों का चोरी का तेंदू पत्ता तेंदू पत्ते का कार्य निगरानी वन निगम द्वारा कराई जाती है तो यह पता यहां कैसे रह गया क्योंकि सारे पत्ते फड़ो से पूर्व में ही वन सामुदायिक भवन व वर्तमान पंचायत भवन में लाखों रुपए का चोरी का तेंदू पता रखा हुआ है यह जानकारी मिलने पर जब कुछ पत्रकार वहां पहुंचे तो वहां एक जाति विशेष के लोग इकट्ठा हो गए और पत्रकारों को वीडियो फोटो बनाने से जबरिया रोकने का प्रयास करने लगे पंचायत भवन में यू पी 65 नंबर से एक वाहन भी खड़ा था जिस पर पत्ता लादने का प्रयास किया जा रहा था आखिर यह पत्ता किसके द्वारा सामुदायिक भवन और पंचायत भवन में रखा हुआ है दोनों की निगरानी ग्राम प्रधान के अधीन होती है पंचायत भवन में तमाम कार्य संचालित होते हैं तेंदू पत्ता की तुड़ान वन निगम के ठेकेदारों द्वारा कराई जाती है वन निगम द्वारा नियुक्त कर्मचारी इसकी निगरानी करते हैं अपनी निगरानी में तेंदूपत्ता से भरी झालो की गणना भी कराई जाती है फिर उसी हिसाब से मजदूरों का भुगतान किया जाता है कहीं इस खेल में वन निगम के कर्मचारी और ठेकेदार तो संलिप्त नहीं यह सवाल भी उठाया जा रहा है इसके अलावा गांव के कुछ लोगों द्वारा भी यह कार्य किए जाने की चर्चा है सूत्रों का कहना है कि इस संपूर्ण खेल में कहीं ना कहीं गांव के कुछ प्रभावशाली लोग शामिल हैं इस पूरे गांव में एक जाति विशेष के लोग ही प्रभावी प्रधान संपन्न है लोगों का कहना है कि पुलिस विभाग मामले की निष्पक्ष जांच कराये तो इस खेल का खुलासा हो सकता है। सोनभद्र मांची थाना क्षेत्र के चरगड़ा गांव में आज रविवार दोपहर बाद लाखों का चोरी का तेंदू पत्ता सामुदायिक भवन और पंचायत भवन में रखे जाने का मामला प्रकाश में आया है जब इस तेंदू पत्ते और उसे लादने के लिए गई गाड़ी का फोटो और वीडियो बनाने का प्रयास कुछ पत्रकारों ने किया तो वहां कुछ जाति विशेष के लोगों ने धमकी भी दी। बावजूद इसके पत्रकार फोटो और वीडियो बनाने में सफल रहे आखिर सवाल खड़ा हो रहा है जब निगम के गोदाम में भेज दिए गए हैं इस तरह का कार्य वन क्षेत्र के और गांव में भी हो सकता है यदि पुलिस महकमा और वन विभाग इसकी जांच कराये तो कई अधिकारी व कर्मचारी और विभाग इस चोरी के धंधे में लिप्त है इसका खुलासा हो सकता है। आज सुबह सूत्रों ने जानकारी दी की मांची थाना क्षेत्र के चरगड़ा गांव में वरसों पूर्व बने सामुदायिक भवन और पंचायत भवन में रखे जाने का मामला प्रकाश में आया है जब इस तेंदू पत्ते और उसे लादने के लिए गई गाड़ी का फोटो और वीडियो बनाने का प्रयास कुछ पत्रकारों ने किया तो वहां कुछ जाति विशेष के लोगों ने धमकी भी दी। बावजूद इसके पत्रकार फोटो और वीडियो बनाने में सफल रहे आखिर सवाल खड़ा हो रहा है जब तेंदू पत्ते का कार्य निगरानी वन निगम द्वारा कराई जाती है तो यह पता यहां कैसे रह गया क्योंकि सारे पत्ते फड़ो से पूर्व में ही वन निगम के गोदाम में भेज दिए गए हैं इस तरह का कार्य वन क्षेत्र के और गांव में भी हो सकता है यदि पुलिस महकमा और वन विभाग इसकी जांच कराये तो कई अधिकारी व कर्मचारी और विभाग इस चोरी के धंधे में लिप्त है इसका खुलासा हो सकता है।

विद्याधर इंटर कॉलेज में भी हुई गांधी जयंती पर साफ सफाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । बुधवार को पण्डित विद्याधर इण्टर कालेज कबरी में गांधी एवं शास्त्री जी की जयंती अत्यंत धूमधाम से मनाई गई।सर्वप्रथम गांधी एवं शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं धूपबत्ती प्रज्ज्वलित किया गया। तदोपरांत मां सरस्वती वंदना एवं रामधुन गाकर दोनों महापुरूषों को स्मरण किया गया।विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश चतुर्वेदी ने छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ठसत्य और अहिंसा गांधी जी के ऐसे दो अमोघ अस्त्र थे,जिसके समक्ष सम्पूर्ण विश्व नतमस्तक है।अमन शान्ति के लिए आज पूरे विश्व में गांधीवादी विचार धारा अपनाने की आवश्यकता हैठ। विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक श्रवण कुमार पाण्डेय ने साफ सुथरा एवं स्वच्छ भारत बनाने के लिए लोगों को अपनी मानसिकता बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया।सभी अध्यापक /अध्यापिकाएं तथा छात्रों ने सामूहिक रूप से साफ सफाई के कार्यक्रम में भाग लिया ।इस अवसर पर अध्यापक/अध्यापिकाओं में श्रवण कुमार पाण्डेय, सागिर खां,कृष्णदेव पाण्डेय,अमित कुमार पाण्डेय,चंद्रभान देव, शशि पटेल,आदित्य शर्मा ,अनुराग त्रिपाठी,मनीष दूबे,पूजा पाण्डेय,पूजा सिंह,पूजा, इंद्रावती, श्वेता सिंह,निधि सिंह,आरती,शशि पटेल जी इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रवादी मूल्यों एवं सिद्धांतों का अनुपालन करती है,भाजपा अजीत रावत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । भाजपा सदस्यता अभियान-2024' के तहत बुधवार को विधानसभा घोरावल ग्राम पंचायत का कमोजी में महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के जयंती पर साफ सफाई करते हुए भाजपा संगठन द्वारा महापर्व सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमें शामिल हुआ और उपस्थित अनुसूचित वर्ग के माता और बहनों को भारतीय जनता पार्टी के परिवार की सदस्यता दिलाई एवं संवाद किया। वही अध्यक्षता कर रहे अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत के नेतृत्व में चलाया गया भाजपा का सदस्यता अभियान एक राष्ट्रवादी मिशन हैंइस मिशन से जुड़कर गौरव की अनुभूति होती है। भाजपा देश की एकमात्र कैडर आधारित पार्टी है, जो हर परिस्थिति में अपने राष्ट्रवादी मूल्यों एवं सिद्धांतों का अनुपालन करती है। भारतीयज्जनताज्पार्टी परिवार का हिस्सा बनने वाले सभी नए सदस्यों को हार्दिक बधाई त् इस कार्यक्रम में अनुच्छेद पंचायत सदस्य कौशल शुक्ला ग्राम प्रधान अमरजीत दुबे मंडल अध्यक्ष गौरीशंकर राहुल पटेल कार्यकर्ता सम्मानित जनता जनता जनता जनार्दन उपस्थित।

फ्लैट, आभूषण और लग्जरी आइटम देख चकराए सीबीआई के अफसर, बैंक खाते खंगाल रही टीम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक), मिर्जापुर। सीबीआई लखनऊ की टीम ने छापा मारकर वाराणसी स्थित डीआरएम कार्यालय से सीनियर डीईएन सत्यम कुमार सिंह को गिरफ्तार किया। आरोपी अधिकारी के अपार्टमेंट से कैश, आभूषण और लग्जरी आइटम्स बरामद किए गए हैं। सीबीआई लखनऊ की टीम ने मंगलवार को पूर्वोत्तर रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय लहरतारा में तैनात सीनियर डीईएन-टू सत्यम कुमार सिंह को दो लाख रुपये घूस मांगने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अधिकारी के भेलूपुर थाना क्षेत्र के लखराव स्थित अपार्टमेंट से कैश, आभूषण और लग्जरी आइटम्स बरामद किए गए। इस दौरान आरोपी का फ्लैट, आभूषण और लग्जरी आइटम देख अफसर भी चौंक गए। डीआरएम कार्यालय से गिरफ्तार कर आरोपी सत्यम कुमार सिंह को लेकर सीबीआई की टीम उसके लखराव स्थित अपार्टमेंट के फ्लैट पर पहुंची तो यहां नकदी, आभूषण और लग्जरी आइटम्स को देख सीबीआई के अफसर चकरा गए।सीबीआई टीम के अनुसार, नकदी, आभूषण बरामद किए गए हैं। बैंक खातों व लॉकर आदि खंगाले जा रहे हैं। देर रात में सीबीआई की टीम अधिकारी को लेकर उसके गृह जनपद मिर्जापुर के चुनार गई। वहां अधिकारी के आवास से छह लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं।16 सितंबर 2022 को सीबीआई की टीम ने बरेका के सीनियर सिविल ओमप्रकाश सोनकर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। ओमप्रकाश पर भी रेलवे के ठेकेदार से घूस लेने का आरोप लगा था।

इंजीनियर ओमप्रकाश सोनकर को तीन लाख रुपये घूस लेते हुए गिरफ्तार किया था। मंगलवार को डीआरएम बिल्डिंग में सीबीआई की कार्रवाई के बीच बरेका प्रकरण भी रेलकर्मियों के जेहन में ताजा हो गई। राणा नगर कॉलोनी निवासी सत्यम कुमार सिंह की गिरफ्तारी से डीआरएम भवन के अधिकतर अधिकारियों और कर्मचारियों में हर्ष जैसा माहौल है। वहीं, कुछ अधिकारी इसे साजिश करार दे रहे हैं। कुछ कर्मियों ने बताया कि सीनियर डीईएन अपने साथ निजी अंगरक्षक लेकर चलता था। एक अलग ही रूतबे और प्रभाव से रहता था। उच्चाधिकारियों के आदेशों को कई बार दरकिनार कर चुका है। औड़िहार से छपरा तक रेलवे ट्रैक और भवनों की मरम्मत का काम सीनियर डीईएन ही देखता था। इससे पहले रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) में तैनात था। डेढ़ साल पहले ही वह पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल में सीनियर डीईएन टू के पोस्ट पर तैनात हुआ था। गोरखपुर की एक फर्म को सबसे ज्यादा काम देने का आरोप भी सीनियर डीईएन पर लगा है। सीबीआई की जांच में यह बात भी सामने आई है। अपने रिश्तेदारों और उनके करीबियों के फर्म को बड़ा काम दिया गया। डीआरएम भवन में इंजीनियरिंग के एक और अधिकारी की भूमिका भी संदेह के दायरे में है। अधिकारी के इशारे पर ही सत्यम कुमार सिंह बिल पास करता और रोकता था। उसके रिश्तेदारों और उनके करीबियों के फर्म को ही अधिकतर काम दिए जाते थे। इसकी भी जांच शुरू हो चुकी है। आरोप था कि बिल पास करने के लिए पैसे की मांग की जा रही है।इस बार भी रेलवे ठेकेदार की शिकायत पर ही सीनियर डीईएन टू सत्यम कुमार सिंह के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इंडियन रेलवे सर्विस इंजीनियरिंग 2006 बैच के अफसर

भाजपाइयों ने गांधी प्रतिमा पर माल अर्पण कर निकली रैली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा बुधवार को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जयंती पर रावटसगंज नगर स्थित नगर पालिका परिषद में प्रतिमा की साफ सफाई कर मदार्पण किया गया इस दौरान मुख्य अतिथि भाजपा संगठन जिला प्रभारी अनिल सिंह द्वारा माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तत्पश्चात भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक मिश्रा धर्मवीर तिवारी नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद के नेतृत्व में स्वच्छता रैली निकाली गई जिसमें अधिशासी अधिकारी विजय कुमार योग के नेतृत्व में सफाई नायक कमी व कर्मचारी द्वारा पूरे नगर भ्रमण कर एक संदेश देने का कार्य किया गया। मुख्य अतिथि श्री सिंह ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री द्वारा जीवन संघर्ष उनके देश की सेवा उनके जीवन मूल्य पर प्रकाश जितना डाला जाए उतना कम है उनके द्वारा विशेष रूप से निर्मलो के कल्याण संबंधित अंत्योदय की उनकी अवधारणा भावात्मक एकता एवं अखंडता के संबंध में उनके विचारों का संक्षेप में वर्णन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने को सभी कार्यकर्ताओं को दिलाई शपथ इस मौके पर भाजपा संगठन जिला महामंत्री कृष्णा मुरारी गुप्ता, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह कमलेश चौबे रजनीश रघुवंशी आशीष कुमार बलराम सोनी सहित आदि लोग मौजूद रहे।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख समेत चार लोगों पर मुकदमा दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

हलिया। देवरी गांव निवासी आशुतोष पांडेय की शिकायत पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेश दुबे समेत चार लोगों के खिलाफ गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दिए जाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मंगलवार को मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई।देवरी गांव निवासी आशुतोष पांडेय ने तहरीर देकर बताया कि पुलिस अधीक्षक के यहां प्रार्थना पत्र दिया था। उसी बात को लेकर 20 अगस्त को शाम सात बजे देवरी गांव में एकजुट होकर नौडीहा मुड़पेली गांव निवासी हलिया के पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेश दुबे के अलावा रमेश दुबे, दिनेश दुबे, राजेश दुबे मिलकर गाली देने लगे। मना करने पर जान से मारने की धमकी दी। थानाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने बताया कि गाली व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

विंध्याचल मंदिर परिसर में धूम्रपान करने वालों पर लगेगा जुर्माना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । नवरात्र के दौरान विंध्याचल में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए मंडलायुक्त डॉ मुथुकुमार स्वामी बी ने विंध्याचल स्थित प्रशासनिक भवन में मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को मंदिर परिसर में पान, गुटका आदि खाकर थूकने वालों का चालान कर जुर्माना लगाने का निर्देश दिया। मेला में लगाए जाने वाले स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों में पर्याप्त संख्या में डॉक्टरों की तैनाती करने के साथ ही दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का भी निर्देश दिया।उन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए एंबुलेंस में जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्ध के साथ ही तकनीकी सहायकों की तैनाती करने की हिदायत दी। उन्होंने रोडवेज के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को निर्देश दिया कि बसों के संचालन के लिए समय का ध्यान देने के साथ ही कौन सी बस कब और कहां जाएगी, उसकी सूची बनाकर परिसर में चस्पा कराने का निर्देश दिया। ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में कोई कठिनाई न हो। उन्होंने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को मेला क्षेत्र में दुकानदारों को प्लास्टिक का उपयोग न करने की सलाह देने को कहा।

कुंभ के दौरान छह थानों में बनाए जाएंगे मेडिकल सेंटर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लालगंज। प्रयागराज कुंभ पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए शासनस्तर के निर्देश पर आसपास के जिलों में भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। निर्देश के क्रम में जिला प्रशासन की तरफ से भी अभी से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए छह थानों में मेडिकल सेंटर स्थापित किए जाएंगे। जिले के लालगंज कोतवाली में मेडिकल सेंटर स्थापित करने का अंतिम चरण में है।प्रयागराज में आयोजित होने वाले कुंभ मेला में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आसपास के जिलों मिर्जापुर, प्रतापगढ़, कौशांबी और भदोही में भी व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। ताकि आपात स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके। कुंभ के दौरान किसी भी श्रद्धालु के घायल या बीमार होने पर इन थानों में स्थित मेडिकल सेंटर पर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस की मदद से मरीज को नजदीक के अस्पताल पहुंचाने की भी व्यवस्था की जाएगी। जिला प्रशासन इस बार की तैयारियों को लेकर विशेष सतर्कता बरत रहा है। लालगंज, डूमंडगंज, विंध्याचल, चील्ह, हलिया समेत छह थानों मेडिकल सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें से ज्यादातर थानों में निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। दिसंबर तक इन्हें पूरी तरह से तैयार कर लेने का लक्ष्य है। कार्यदायी संस्था पुलिस आवास निगम के सहायक अभियंता रहमान ने बताया कि निर्माण का काम अंतिम चरण में है। दिसंबर माह तक सभी तैयारियां पूरी करा ली जाएंगी। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कुंभ मेला के लिए मेडिकल सेंटर बनाए जा रहे हैं।

सबको साथ में लेकर चलने वाली देश में एकमात्र पार्टी कांग्रेस- रामराज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । बुधवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत के पूर्व-प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी व मसूरिया दिन पासी जो स्वतंत्रता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे, इन तीनों लोगों की जयंती पर आज जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के अध्यक्ष रामराज सिंह गोड़ की अध्यक्षता में चतरा ब्लॉक के लेडूआ ग्राम सभा में मनाया गया । जहां पर स्थानीय निवासी सतेंद्र कनौजिया ने बोला कि यहाँ पर सड़कों को जेसीबी द्वारा खन दिया गया बाद में उसकी मरम्मत ठीक से नहीं कराई गई हम लोग बांध के पानी पर निर्भर हैं इस पर जनप्रतिनिधियों को ध्यान देना चाहिए और उचित व्यवस्था करनी चाहिए, चतरा ब्लॉक के उपाध्यक्ष नागेश्वर देव पांडेय ने कहा कि यहां पर लेडूआ ग्राम के स्थानीय लोग धनरौल बांध पर निर्भर हैं और यहां पर 15 फीट पानी कम से कम रहना चाहिए क्योंकि यहां की सिंचाई की व्यवस्था इस पर निर्भर है , जिला सचिव रामेश्वर यादव ने कहा कि वर्तमान परिवेश में स्थित बहुत खराब है महंगाई चरम सीमा पर है। कार्यक्रम में उपस्थित जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोड़ ने कहा कि स्थानीय समस्याओं के बारे में जिन लोगों ने भी अपनी समस्याओं को बताया है उसको लेकर हम जिला प्रशासन/ संगठन में बात कर उनके समाधान की हर संभव लड़ाई लड़ेंगे, जिला कोषाध्यक्ष /पीसीसी फरीद अहमद ने कहा कि महात्मा गांधी गरीबों का दुख जानते थे इसलिए उन्होंने आधी धोती पहन कर कहा कि जब तक सभी के व्यवस्था नहीं हो जाएगी तब तक हम ऐसे ही रहेंगे, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि आजादी के बाद जिले को सवारने का काम जिस प्रकार से कांग्रेस पार्टी ने किया हिंडालको इंडस्ट्री ,अनपरा तापीय परियोजना, एनटीपीसी, रिहंद डैम, ओबरा तापीय परियोजना, जिले में व्याप्त फैली हुई नहरी जिससे आज लोग सिंचाई कर रहे हैं वह एक सोच थी कि आमजन मानस कैसे आगे बढ़ेगा, नौजवान आज दर-2 की ठोकरे खा रहा है और महंगाई चरम सीमा पर है लोगों का किचन का हिसाब किताब बिगड़ चुका है लेकिन इस पर कोई भी बात करने को तैयार नहीं है ,पूर्व-प्रदेश सचिव कमलेश ओझा ने बोला कि हर वर्ग को साथ में लेकर चलने का काम कांग्रेस पार्टी करती है और यही कारण है कि आज आम जनमानस फिर से कांग्रेस पार्टी की ओर देख रहा है, कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव दयाशंकर पांडेय ने किया । कार्यक्रम में जनता दल यूनाइटेड को छोड़कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता आज छोटेलाल धांगर जी ने लिया। जिला कांग्रेस कमेटी के लोगों ने लेडूआ ग्राम सभा मे राम आधार धांगर जी के यहां दलित बस्ती में बैठकर भोजन भी किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों रामधार धांगर, जवाहर कलवार, संदीप विश्वकर्मा ,लीलावती बिन्द, रिंकी बिन्द, श्रीनाथ कनौजिया, प्रभावती कहार, सोमवती गोड़, संजय कनौजिया, सुनील कुमार कनौजिया ,उपेंद्र बिन्द, राजा राम बिन्द, वीरेंद्र पासवान, रामनिवास गुप्ता ,संजय बिन्द, चंद्रिका बिन्द, राम वृत बिन्द, मुन्नी बिन्द रहे ।

स्पोर्ट्स

पाकिस्तान के राष्ट्रीय चयनकर्ता पद से पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने दिया इस्तीफा

जल्दी यहां से निकलो', बांग्लादेश पर क्यों भड़के सुनील गावस्कर सामने आई चौंकाने वाली वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट में जीत के साथ 2-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। ग्रीन पार्क में खेले गए मुकाबले में भारत ने मेहमानों को सात विकेट से हराया। 51 रन बनाकर आउट हुए। विराट और यशस्वी के बीच तीसरे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी हुई। बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज ने दो विकेट लिए, जबकि तैजुल इस्लाम को एक विकेट मिला। यशस्वी ने अपनी पारी में आठ चौके दिन के कुल ओवरों (180) से भी कम है। भारत ने इस टेस्ट में साहसिक खेल दिखाया। पहले दिन 35 ओवर का ही खेल हो पाया था। बारिश ने मैच में खलल डाला और फिर दूसरे और तीसरे दिन का खेल बारिश से धुल गया था। चौथे दिन

पांचवें दिन सुनील गावस्कर ने बांग्लादेश के खिलाड़ियों को लेकर एक ऐसा बयान दिया जो अब चर्चा में बना हुआ है। दरअसल, पांचवें दिन बांग्लादेश के पूर्व खिलाड़ी ने मैच के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान और अब कमेंटेटर सुनील गावस्कर से मेहमानों को कुछ सलाह देने के लिए कहा। इस पर दिग्गज ने जवाब देते हुए कहा- एक भारतीय होने के नाते मैं यही कहूंगा जल्दी यहां से जाओ। बता दें कि, भारत ने कानपुर से पहले चेन्नई में बांग्लादेश को 280 रनों से हराया था। टीम इंडिया को 95 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे रोहित एंड कंपनी ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। विराट कोहली 29 रन और ऋषभ पंत चार रन बनाकर नाबाद रहे। रोहित शर्मा आठ रन, शुभमन गिल छह रन और यशस्वी जायसवाल और एक छक्का लगाया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 233 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 285 रन बनाकर घोषित कर दी थी। भारत को तब 52 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी में बांग्लादेश की टीम ने 146 रन बनाए और भारत के सामने 95 रन का लक्ष्य दिया था। टेस्ट में आधिकारिक तौर पर एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 74.2 ओवर, भारत ने अपनी पहली पारी में 34.4 ओवर, बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी में 47 ओवर और भारत ने अपनी दूसरी पारी में 17.2 ओवर खेले। इन सभी को मिला दें तो लगभग 174 ओवर बनते हैं और यह दो खेल शुरू हुआ और भारत ने बांग्लादेश को समेटने के बाद फिर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर टेस्ट में किसी टीम द्वारा सबसे तेज 50, 100, 150, 200 और 250 रन बनाने का रिकॉर्ड बना डाला। इसके बाद बांग्लादेश को दूसरी पारी में जल्दी समेटकर आसान लक्ष्य का पीछा किया। भारत से मिली करारी शिकस्त के बाद बांग्लादेश की टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गई है। उनका अंक प्रतिशत 34.38 का हो गया है। इससे पहले टीम 33 अंकों के साथ पांचवें पायदान पर थी। हाल ही में नजमुल हुसैन शांतो की सेना की टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 0-2 से क्लीन स्वीप किया थास लेकिन अब उन्हें भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है।

इस वजह से ऋतुराज नहीं खेलेंगे टी20 सीरीज, ऑस्ट्रेलिया दौरे से जुड़ा है मामला, रिपोर्ट में खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद अब भारतीय टीम की नजर टी20 सीरीज पर है। छह अक्तूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की इस सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में टीम की घोषणा भी की थी। हैरानी की बात यह है कि इस टीम में ऋतुराज गायकवाड़ को नहीं चुना गया है। अब एक रिपोर्ट में उनके बोर्ड द्वारा नहीं चुने जाने की वजह का खुलासा हुआ है। भारत और बांग्लादेश के बीच रविवार से शुरू होने जा रही तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान नियुक्त किया गया है। इस टीम में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है जबकि युवाओं को मौका मिला है। जिम्बाब्वे दौरे पर दमदार प्रदर्शन करने वाले ऋतुराज गायकवाड़ को इस टीम का हिस्सा नहीं बनाया गया है। वह फिलहाल ईरानी कप में खेलते नजर आ रहे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, युवा बल्लेबाज को आगामी टी20 सीरीज के लिए नहीं चुनने के पीछे भारतीय चयनकर्ताओं की एक रणनीति है। एक सूत्र के अनुसार, भारत को इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस दौरान रोहित और जायसवाल भारत के सलामी बल्लेबाज होंगे। उनके बैकअप के तौर पर गायकवाड़ को चुना जा सकता है। सूत्र ने कहा- नियमित टी20 सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को आराम दिए जाने के बावजूद बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मैचों

के लिए गायकवाड़ को नहीं चुने जाने पर काफी हंगामा हुआ। चयनकर्ता और टीम प्रबंधन उन्हें ऑस्ट्रेलिया में तीसरे सलामी बल्लेबाज के रूप में चाहते हैं। आपको वहां तीसरे सलामी बल्लेबाज की जरूरत पड़ सकती है, क्योंकि पांच टेस्ट मैचों की लंबी सीरीज के दौरान किसी भी बल्लेबाज को चोट लग सकती है। तीसरे ओपनर के लिए गायकवाड़ से बेहतर कोई और उम्मीदवार नहीं है। उन्हें लाल गेंद के मैच खेलते रहना चाहिए। यही कारण है कि उन्हें ईरानी कप में शेष भारत का नेतृत्व करने के लिए कहा गया हैरोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल बतौर सलामी बल्लेबाज खेलते हैं। हालांकि, टीम इंडिया के पास इनका बैकअप नहीं है। ऐसे में गायकवाड़ एक अच्छा विकल्प साबित हो सकते हैं। अब सवाल उठता है कि शुभमन गिल भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेल सकते हैं तो गायकवाड़ की क्या जरूरत? इसका जवाब है कि गिल को अब तीसरे स्थान पर रखा गया है जबकि विराट कोहली नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हैं। इसलिए चयनकर्ता कथित तौर पर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बैकअप ओपनर के तौर पर ऋतुराज को टीम में शामिल करने के इच्छुक हैं। ऋतुराज ने भारत के लिए अब तक खेले 23 टी20 मैचों में एक शतक और चार अर्धशतकों की मदद से 633 रन बनाए हैं।

अश्विन को पीछे छोड़कर बुमराह बने टेस्ट रैंकिंग के नए बादशाह, जायसवाल कोहली ने भी लगाई छलांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कानपुर टेस्ट में बुमराह ने कुल सात विकेट हासिल किए, जबकि अश्विन को पांच सफलता मिलीं। वहीं, बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज चार स्थान के फायदे के साथ 18वें पर पहुंच गए जबकि अनुभवी स्पिनर शाकिब अल हसन 28वें पायदान पर पहुंच गए हैं।भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बुधवार को दुनिया के शीर्ष तेज गेंदबाज बन गए। उन्होंने रविचंद्रन

अश्विन को पीछे छोड़ दिया। दिग्गज गेंदबाज ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने सनसनीखेज प्रदर्शन के दम पर आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को भी टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है।भारत और बांग्लादेश के बीच खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज में तेज गेंदबाज ने 11 विकेट चटकाए थे। अब उन्हें इसका फायदा मिला है। एक स्थान की छलांग लगाकर वह शीर्ष पर पहुंच गए। अब उनके 870 प्वॉइंट्स हो गए हैं। वहीं, अश्विन दूसरे पायदान पर खिसक गए। उनके खाते में 869 अंक हैं।यह दूसरा मौका है जब बुमराह टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे हैं। इससे पहले इसी साल फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद तेज गेंदबाज ने पहला स्थान हासिल किया था। तब उन्हें तीन स्थानों का फायदा हुआ था। वह शीर्ष टेस्ट गेंदबाज बनने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए थे। उनसे पहले पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव टेस्ट गेंदबाजों में सर्वोच्च रैंकिंग हासिल करने वाले इकलौते भारतीय गेंदबाज थे। वह दिसंबर, 1979 से फरवरी, 1980 के बीच दूसरे स्थान पर रहे थेकानपुर टेस्ट में बुमराह ने कुल सात विकेट हासिल किए, जबकि अश्विन को पांच सफलता मिलीं। वहीं, बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज चार स्थान के फायदे के साथ 18वें पर पहुंच गए जबकि अनुभवी स्पिनर शाकिब अल हसन 28वें पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्हें पांच स्थानों का फायदा हुआ है।बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दो स्थानों के फायदे के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। अब उनके 792 अंक हो गए। चार पारियों में उन्होंने 47.25 के औसत से 189 रन बनाए। इस दौरान 22 वर्षीय बल्लेबाज ने तीन अर्धशतक लगाए। बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर जो रूट का कब्जा है जबकि दूसरे स्थान पर केन विलियमसन बने हुए हैं।चेन्नई टेस्ट में छह और 17 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटने के बाद कोहली आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष 10 से बाहर हो गए थे। हालांकि, कानपुर टेस्ट में वापसी करते हुए उन्होंने 47 और 29ङ रनों की पारी खेलकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसी के साथ वह आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में छह स्थानों के फायदे के साथ छठे पायदान पर पहुंच गए हैं। अब उनके 724 अंक मिल गए हैं। वहीं, पंत को तीन स्थानों का नुकसान हुआ है।

हम 100 रन भी आउट होने के लिए तैयार थे कप्तान रोहित ने जीत के बाद क्यों दिया ये बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने कहा कि नतीजे हासिल करने के लिए भारतीय टीम 100 रन के करीब आउट होने का जोखिम उठाने के

लिए भी तैयार थी। दो दिन का खेल धुलने से पहले शुरुआती दिन भी केवल 35 ओवर का खेल हो पाया था। भारत ने कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में बांग्लादेश को हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम की। इस टेस्ट मैच का नतीजा भले ही पांचवें दिन आया, लेकिन दूसरे और तीसरे दिन का खेल बारिश के कारण मैदान गीला होने की वजह से पूरी तरह धुल गया था और माना जा रहा था कि यह मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, भारतीय टीम ने आक्रमक बल्लेबाजी की और फिर बांग्लादेश को सस्ते में समेटा और जीत सुनिश्चित की। जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने आक्रमक बल्लेबाजी को लेकर बयान दिया और बताया कि टीम 100 रन पर भी आउट होने के लिए तैयार थी। दो दिन का मैच धुलने के बाद चौथे दिन सोमवार को बांग्लादेश को पहली पारी में 233 रन पर आउट करने के बाद भारत ने टी20 अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 34.4 ओवर में नौ विकेट पर 285 रन बनाकर अपनी पहली पारी घोषित की थी। बांग्लादेश ने चौथे दिन अंतिम सत्र में दो विकेट गंवाए और पांचवें दिन लंच से पूर्व उसकी दूसरी पारी 146 रन पर सिमट गई। भारत ने इसके बाद दूसरे सत्र में 95 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।रोहित शर्मा ने कहा कि नतीजे हासिल करने के लिए भारतीय टीम 100 रन के करीब आउट होने का जोखिम उठाने के लिए भी तैयार थी। दो दिन का खेल धुलने से पहले शुरुआती दिन भी केवल 35 ओवर का खेल हो पाया था। रोहित ने कहा, खराब मौसम के कारण ढाई दिन गंवाने के बाद जब हम चौथे दिन मैदान पर आए तो उन्हें जल्द से जल्द आउट करना चाहते थे और देखना चाहते थे कि हम बल्ले से क्या कर सकते हैं। जब वे 230 रन पर आउट हो गए तो यह हमारे द्वारा बनाए गए रनों के बारे में नहीं था बल्कि हम उन्हें कितने ओवर करेंगे इस बारे में था। इस पिच पर नतीजा हासिल करना शानदार प्रयास था। यह एक जोखिम था जिसे हम लेने को तैयार थे क्योंकि जब आप इस तरह से बल्लेबाजी करने की कोशिश करते हैं तो आप कम स्कोर पर आउट हो सकते हैं। लेकिन हम इसके लिए तैयार थे, भले ही हम 100-120 रन पर आउट हो जाएं।

बाबर आजम के बाद इस दिग्गज पर भरोसा जता सकता है पीसीबी, वनडे-टी20 में कर सकते हैं पाकिस्तान की कप्तानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने एक अक्तूबर की देर रात सफेद गेंद

प्रारूप की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने एक साल के भीतर दूसरी बार कप्तानी छोड़ने का फैसला किया और बताया कि वह अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। अब एक रिपोर्ट में उस खिलाड़ी के नाम का खुलासा हुआ है जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भरोसा जता सकता है। पाकिस्तान के समाचार चैनल जियो न्यूज के मुताबिक, बाबर आजम के बाद टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को सौंपी जा सकती है। वह इस दौड़ में सबसे आगे हैं। बता दें कि, दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अब तक पाकिस्तान के लिए 74 वनडे और 102 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इनमें उनके नाम क्रमशः 2088 और 3313 रन दर्ज हैं। इस रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 29 वर्षीय बल्लेबाज से कप्तानी से इस्तीफा देने की मांग नहीं की गई थी। उनसे वनडे टीम का कप्तान बने रहने के लिए कहा गया था। कोच गैरी कर्स्टन उन्हें शीर्ष पर रखना चाहते थे। हालांकि, अब दिग्गज खिलाड़ी ने कप्तानी छोड़ने का फैसला कर लिया है। यह एक साल के भीतर दूसरा मौका है जब बाबर ने टीम की कप्तानी से इस्तीफा दिया है। पिछले महीने अक्तूबर-नवंबर में भारत की मेजबानी में खेले गए वनडे विश्व कप में पाकिस्तान का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। इसके बाद बाबर ने तीनों प्रारूपों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद टी20 टीम की कमान शाहीन अफरीदी को सौंपी गई, लेकिन एक सीरीज (पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड) के बाद ही पीसीबी ने बाबर को एक बार फिर जिम्मेदारी सौंप दी। पाकिस्तान ने नवंबर 2023 में वनडे विश्व कप से बाहर होने के बाद से कोई वनडे मैच नहीं खेला है। वहीं, अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी के बाद से कोई टी20 सीरीज भी नहीं खेली है।

भारतीय टीम के इस तेज गेंदबाज का हुआ टखने का ऑपरेशन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलने वाले तुषार दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर के मुकाबले से बाहर रहे थे। उन्होंने इस साल आईपीएल में अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था और जुलाई में भारत के जिम्बाब्वे दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे की लंदन में टखने की सर्जरी हुई है। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में सर्जरी की जानकारी दी। तुषार ने हालांकि, मजबूत वापसी का भरोसा जताया है। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलने वाले तुषार दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर के मुकाबले से बाहर रहे थे। उन्होंने इस साल आईपीएल में अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था और जुलाई में भारत के जिम्बाब्वे दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनै के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले टिम साउदी ने दिया कप्तान के पद से इस्तीफा, जानें किसे मिली जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड की टीम को तगड़ा झटका लगा है। टिम साउदी ने टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। साउदी ने यह फैसला अपने खेल में सुधार लाने के लिए लिया है। तेज गेंदबाज ने कहा- मैंने टीम के हित में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। न्यूजीलैंड की कप्तानी करना मेरे लिए बेहद खास रहा है। मैंने हमेशा अपने करियर में टीम को प्राथमिकता दी है और मेरा मानना है कि यह फैसला टीम के लिए सही है। अब मैं अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करके टीम की बेहतर सेवा कर सकता हूं। 35 वर्षीय गेंदबाज ने केन विलियमसन के कप्तानी से हटने के बाद यह पद संभाला था। उन्होंने 14 टेस्ट मुकाबलों में कीवी टीम की कमान संभाली। इनमें उन्हें छह मैचों में जीत, छह में हार मिली जबकि दो

मुकाबले ड्रॉ रहे। हाल ही में न्यूजीलैंड की टीम को श्रीलंका दौरे पर मुंह की खानी पड़ी थी। उन्हें मेजबानों ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराया था। गॉल में खेले गए पहले मुकाबले में श्रीलंका ने 63 रनों से जीत दर्ज की थी, जबकि दूसरे मैच में मेजबानों ने कीवी टीम को पारी और 154 रनों से हराया था। इस सीरीज में साउदी कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे। वह सिर्फ दो विकेट ले सके। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने टिम साउदी के इस्तीफे के बाद नए कप्तान का एलान कर दिया है। टॉम लैथम को नया कप्तान नियुक्त किया गया है। सलामी बल्लेबाज पहले भी टीम की कप्तानी कर चुके हैं। उन्होंने नौ मैचों में ब्लैक कैप्स की कप्तानी की है। अब वह भारत दौरे पर टीम की कमान संभालेंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 16 अक्तूबर से शुरू होगा। पहला मुकाबला बेंगलुरु में खेला जाएगा। इस सीरीज का दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 24 अक्तूबर (पुणे) और एक नवंबर को (मुंबई) खेला जाएगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिहाज से यह सीरीज दोनों टीमों के लिए अहम है। 74.24 के अंक प्रतिशत के साथ भारत शीर्ष पर है जबकि कीवी टीम छठे पायदान पर है। उनका अंक प्रतिशत 37.50 का है।

सम्पादकीय

विराट सांस्कृतिक वैभव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का मार्ग

हिंदुत्व केवल एक धर्म का नहीं, बल्कि एक जीवनशैली, एक विचारधारा और एक गहन सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। यह हिंदू समाज की आत्मा में निहित विचारधारा है, जो उसे उसकी परंपराओं, रीति-रिवाजों और मान्यताओं से जोड़ती है। हिंदुत्व जो प्रत्येक हिंदू की अंतरआत्मा में निहित है वह केवल एक धार्मिक विचारधारा नहीं है, बल्कि एक जीवनशैली, एक दर्शन और एक सामाजिक व्यवहार है जो हजारों वर्षों से हिंदू समाज का मार्गदर्शन करता आया है। हिंदुत्व केवल एक धर्म का नहीं, बल्कि एक जीवनशैली, एक विचारधारा और एक गहन सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। यह हिंदू समाज की आत्मा में निहित विचारधारा है, जो उसे उसकी परंपराओं, रीति-रिवाजों और मान्यताओं से जोड़ती है। हिंदुत्व को अक्सर एक संकीर्ण परिप्रेक्ष्य में देखा जाता है, जहां इसे कट्टरवाद या अन्य धर्मों के प्रति असहिष्णुता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। परंतु सच्चाई इससे कहीं अधिक व्यापक और गहन है।हिंदुत्व का अर्थ केवल धर्म या धार्मिक अनुष्ठानों से संबंधित नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण हिंदू संस्कृति, परंपराओं, सामाजिक व्यवस्थाओं और जीवन के सभी पहलुओं को समाहित करता है। सावरकर ने इसे व्यापक रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि हिंदुत्व का मतलब 'हिंदू होना' नहीं है, बल्कि वह भावना है जो हिंदू समाज को एकजुट करती है। यह दर्शन न केवल धार्मिक मूल्यों पर आधारित है, बल्कि सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी गहरे रूप से जड़ित है। वामपंथी इतिहासकारों ने अक्सर हिंदुत्व को धर्म के संकीर्ण दृष्टिकोण से देखा है, जो कि हिंदुत्व की वास्तविक व्यापकता को समझने में असमर्थता दर्शाता है। हिंदुत्व किसी एक धर्म या पंथ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की समग्रता का प्रतीक है, जिसमें जीवन के सभी क्षेत्रों में समरसता और संतुलन की भावना को महत्व दिया गया है। हिंदुत्व की अवधारणा सदियों पुरानी है। यह केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक धरोहर, रीति-रिवाजों, परंपराओं और दर्शन का मूल स्रोत है। प्राचीन काल से ही हिंदू धर्म ने ठसर्वधर्म समभावठ और ठवसुधैव कुटुंबकम्ठ जैसे विचारों को अपने केंद्र में रखा है। हिंदुत्व इसी उदारता और समावेशी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। भारत के सांस्कृतिक एकीकरण के संदर्भ में यह विचारधारा महत्वपूर्ण है, जहां विभिन्न भाषाओं, जातियों और धर्मों के बावजूद एक गहरी सांस्कृतिक एकता है। वामपंथी इतिहासकारों द्वारा यह कहा गया है कि हिंदुत्व एक आधुनिक औपनिवेशिक निर्माण है और इसका इतिहास में कोई ठोस आधार नहीं है। यह धारणा हिंदुत्व के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आधार की गलत समझ पर आधारित है। प्राचीन ग्रंथों और वैदिक साहित्य में जो विचारधाराएं प्रस्तुत की गई हैं, वे स्पष्ट रूप से हिंदुत्व के विचार को समर्थन देती हैं। यज्ञ, तप, ध्यान, और दान जैसे धार्मिक कार्यों के माध्यम से एक व्यक्ति को व्यक्तिगत और सामाजिक उन्नति के मार्ग पर प्रेरित किया गया। ये कार्य केवल धर्म के रूप में नहीं, बल्कि एक समग्र जीवनशैली के रूप में देखे गए, जो हिंदुत्व का मूल सिद्धांत है। हिंदुत्व की जड़ें वैदिक काल से लेकर आज तक की भारतीय सभ्यता में फैली हुई हैं। वैदिक काल में आर्य समाज के मूल्यों और आध्यात्मिक विचारधारा के माध्यम से हिंदुत्व का विकास हुआ। इसके बाद, महाकाव्यों, जैसे कि रामायण और महाभारत, ने हिंदू समाज को धार्मिक, नैतिक और सांस्कृतिक दिशा दी। भक्ति आंदोलन और वेदांत दर्शन ने हिंदुत्व की आध्यात्मिक गहराई को बढ़ावा दिया, जबकि विभिन्न सामाजिक सुधार आंदोलनों ने इसे समयानुसार परिष्कृत किया। यह तथ्य ध्यान देने योग्य है कि वामपंथी इतिहासकार अक्सर भारतीय इतिहास के इस महान विकास को विकृत करने का प्रयास करते हैं, इसे सांप्रदायिक दृष्टिकोण से देखने का प्रयास करते हुए। जबकि सच्चाई यह है कि हिंदुत्व के मूल में सार्वभौमिकता, सहिष्णुता और विविधता के प्रति सम्मान है। भारत की हजारों वर्षों की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराएं इस बात का साक्षात्कार करती हैं कि हिंदुत्व का विकास शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और विविध धार्मिक मान्यताओं के सम्मान पर आधारित रहा है। वामपंथी इतिहासकार हिंदुत्व को अक्सर एक संकीर्ण और कट्टरवादी विचारधारा के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं। उनकी यह धारणा है कि हिंदुत्व भारतीय समाज में साम्प्रदायिकता और विभाजन को बढ़ावा देता है। वे इसे एक ऐसी विचारधारा के रूप में देखते हैं जो गैर-हिंदू समुदायों के प्रति असहिष्णु है और भारत की बहुलवादी पहचान के लिए खतरा है। लेकिन यह दृष्टिकोण हिंदुत्व के वास्तविक स्वरूप को गलत ढंग से समझने का परिणाम है। वास्तव में, हिंदुत्व का उद्देश्य संपूर्ण भारतीय समाज को एकजुट करना है। यह सभी धर्मों और मान्यताओं के प्रति सहिष्णुता और सम्मान का प्रचार करता है। हिंदुत्व के अनुसार, भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है, और यह विविधता सह-अस्तित्व की भावना के आधार पर संरक्षित और संवर्धित होनी चाहिए। वामपंथी इतिहासकारों का यह तर्क कि हिंदुत्व विभाजनकारी है, वस्तुतः हिंदुत्व की वास्तविकता से दूर है। उनका मानना है कि यह विचारधारा केवल हिंदू धर्म की श्रेष्ठता को प्रोत्साहित करती है और अन्य धर्मों के प्रति असहिष्णु है। लेकिन यह दृष्टिकोण ऐतिहासिक तथ्यों और हिंदुत्व की वास्तविक परिभाषा से परे है। हिंदुत्व की जड़ें उस समावेशी परंपरा में हैं, जो विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों को आत्मसात करने की क्षमता रखती है। भारत में बौद्ध, जैन और सिख पंथ के साथ-साथ इस्लाम और ईसाई पंथ ने भी अपनी पहचान बनाई, लेकिन यह सब हिंदुत्व की व्यापक छाया में फलते-फूलते रहे हैं। वामपंथी विमर्श अक्सर यह तर्क देता है कि हिंदुत्व भारतीय समाज के भीतर सामाजिक विभाजन और जातिवाद को बढ़ावा देता है। हालांकि, वास्तविकता यह है कि हिंदुत्व का आदर्श जाति और वर्ग के पार जाकर एक समावेशी समाज की स्थापना करना है। इसके प्रमाण हमें स्वतंत्रता संग्राम के समय में भी मिलते हैं, जब हिंदू और मुसलमान दोनों ही एकजुट होकर अंग्रेजी शासन के खिलाफ लड़े।हिंदुत्व ने कभी भी विभाजन की राजनीति को प्रोत्साहित नहीं किया; बल्कि इसका उद्देश्य हमेशा से एक अखंड और समावेशी समाज की स्थापना रहा है। हिंदुत्व केवल धार्मिक या सांस्कृतिक पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के राष्ट्रीय चरित्र का एक अभिन्न अंग है। गांधी से लेकर विवेकानंद तक, सभी ने भारतीय संस्कृति और हिंदू दर्शन को राष्ट्रीय पुनर्जागरण के संदर्भ में देखा है। हिंदुत्व ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को भी प्रेरित किया और भारतीय समाज को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वामपंथी इतिहासकार इस तथ्य को अनदेखा करते हैं कि हिंदुत्व ने भारतीय राष्ट्रवाद को एक नई दिशा दी और इसे उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष में प्रेरित किया। वे हिंदुत्व के इस पक्ष को दरकिनार करते हैं और इसे केवल सांप्रदायिकता के चश्मे से देखते हैं। परंतु सच्चाई यह है कि हिंदुत्व का उद्देश्य न केवल धार्मिक जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि भारतीय समाज के सभी वर्गों को एकता के सूत्र में पिरोना है। हिंदुत्व की एक विशेषता यह है कि यह सहिष्णुता और विविधता का सम्मान करता है। हिंदुत्व में एक ही परब्रह्म की अलग-अलग स्वरूपों में उपासना की जाती है, और यह बहुलवाद भारतीय समाज की आत्मा में गहराई से रचा-बसा हुआ है। हिंदुत्व का दर्शन यह सिखाता है कि सभी पंथ और विचारधाराएँ एक ही परम सत्य की ओर ले जाती हैं। यह सहिष्णुता और समावेशिता हिंदुत्व के मूल में है, जो वामपंथी इतिहासकारों के कट्टरता के आरोपों को खारिज करता है।

शारदीय नवरात्रिः मां शैलपुत्री के इस पूजा विधि से मिलेगी सुख समृद्धि और ऐश्वर्या बरसेगी मां शैलपुत्री की कृपा

इस साल नवरात्रि की शुरुआत 3 अक्टूबर 2024 को होगी। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के 9 अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापित किया जाता है और मां दुर्गा के पहले स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। मां शैलपुत्री राजा हिमालय की पुत्री हैं। इसलिए इन्हें शैलपुत्री कहा जाता है। इनके दाएं हाथ में त्रिशूल है और बाएं हाथ में कमल धारण करती हैं। यह वृषभ(बैल) पर विराजती हैं। चलिए नवरात्रि के पहले दिन पर मां शैलपुत्री की पूजाविधि, कलश स्थापना का मुहूर्त, मंत्र और विशेष भोग के बारे में जानते हैं। मां शैलपुत्री का प्रिय भोग नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री को गाय के दूध से बनी मिठाई का भोग लगा सकते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन गाय के घी का भोग लगाने से रोगों से छुटकारा मिलता है। मां शैलपुत्री को दूध, शहद, घी, फल और नारियल का भोग लगाना बेहद शुभ माना जाता है। इन मंत्रों का करें जाप नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि को मां शैलपुत्री को प्रसन्न करने के लिए उनके बीज मंत्र 'ऊँ शं शैलपुत्री दैव्यै नमः' का जाप कर सकते हैं। मां शैलपुत्री के पूजन का महत्व जीवन के समस्त कष्ट क्लेश और नकारात्मक शक्तियों के नाश के लिए एक पान के पत्ते पर लौंग सुपारी मिश्री रखकर मां शैलपुत्री को अर्पण करें. मां शैलपुत्री की आराधना से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और कन्याओं को उत्तम वर मिलता है. नवरात्रि के प्रथम दिन उपासना में साधक अपने मन को

मूलाधार चक्र में स्थित करते हैं. शैलपुत्री का पूजन करने से मूलाधार चक्र जागृत होता है और अनेक सिद्धियों की प्राप्ति होती है. मां शैलपुत्री की पूजा से आरोग्य की प्राप्ति होती है और बीमारियों से मुक्ति मिलती है. घट स्थापना का शुभ मुहूर्त ज्योतिषाचार्य पंडित सुधांशु तिवारी जी बताते हैं कि इस बार दिनांक 3 अक्टूबर 2024 दिन गुरुवार से शारदीय नवरात्रि प्रारंभ होंगे. इस दिन यदि प्रतिपदा तिथि की बात करें तो 52 घड़ी दो पल अर्थात अगले दिन प्रातः 2:58 बजे तक प्रतिपदा तिथि रहेगी. यदि ऐंद्र नामक योग 55 घड़ी 36 पल अर्थात अगले दिन प्रातः 4:24 बजे तक है. पंचांग के अनुसार, 3 अक्टूबर को घट स्थापना का मुहूर्त प्रातः 6 बजकर 15 मिनट से लेकर 7 बजकर 22 मिनट तक होगा. नक्षत्र की बात करें तो इस दिन हस्त नक्षत्र 23 घड़ी 27 पल अर्थात शाम 3:32 बजे तक है. इस दिन घटस्थापना के लिए कुल 1 घंटा 07 मिनट का समय मिलेगा. इसके अलावा, घट स्थापना अभिजीत मुहूर्त में भी किया जा सकता है. अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 46 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 33 मिनट तक रहेगा, जिसके लिए 47 मिनट का समय मिलेगा. इस विधि से करें मां शैलपुत्री का पूजन मां शैलपुत्री के विग्रह या चित्र को लकड़ी के पटरे पर लाल या सफेद वस्त्र बिछाकर स्थापित करें. मां शैलपुत्री को सफेद वस्तु अति प्रिय है, इसलिए मां शैलपुत्री को सफेद वस्त्र या सफेद फूल अर्पण करें और सफेद बर्फी का भोग लगाएं. एक साबुत पान के पत्ते पर 27 फूलदार लौंग रखें. मां शैलपुत्री के सामने घी का दीपक जलाएं और एक सफेद आसन पर उत्तर दिशा में मुंह करके बैठें. ॐ शैलपुत्रये नमः मंत्र का 108 बार जाप करें. जाप के बाद सारी लौंग को कलावे से बांधकर माला का स्वरूप दें. अपने मन की इच्छा बोलते हुए यह लौंग की माला मां शैलपुत्री को दोनों हाथों से अर्पण करें. ऐसा करने से आपको हर कार्य में सफलता मिलेगी पारिवारिक कलह हमेशा के लिए खत्म होंगे मां शैलपुत्री की कथा पौराणिक मान्यताओं वेद अनुसार, हिमालयराज के यहां जब पुत्री का जन्म हुआ तो उनका नाम शैलपुत्री रखा गया. इनका वाहन वृषभ है, इसलिए इन्हें वृषारूढा के नाम से भी पुकारा जाता है. मां शैलपुत्री के दाएं हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का फूल होता हैं. उन्हें सती के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि वो सती मां का ही दूसरा रूप हैं. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, एक बार प्रजापति ने यज्ञ किया तो इसमें सारे देवताओं को निमंत्रण मिला लेकिन भगवान शिव को नहीं बुलाया गया. तब भगवान शिव ने मां सती से कहा कि यज्ञ में सभी देवताओं को आमंत्रित किया गया है लेकिन मुझे नहीं, ऐसे में मेरा वहां पर जाना सही नहीं है. माता सती का प्रबल आग्रह देखकर भगवान शंकर ने उन्हें यज्ञ में जाने की अनुमति दे दी. सती जब घर पहुंची तो उन्हें केवल अपनी मां से ही स्नेह मिला. उनकी बहनें व्यंग्य और उपहास करने लगीं जिसमें भगवान शंकर के प्रति तिरस्कार का भाव था. दक्ष ने भी उन्हें अपमानजनक शब्द कहे जिससे मां सती बहुत क्रोधित हो गईं. अपने पति का अपमान वह सहन नहीं कर पाईं और योगाग्नि में जलकर खुद को भस्म कर लिया. इस दुख से व्यथित होकर भगवान शंकर ने यज्ञ का विध्वंस कर दिया. मां सती अगले जन्म में शैलराज हिमालय के यहां पुत्री के रूप में जन्मीं और शैलपुत्री कहलाईं. इन्हें पार्वती और हेमवती के नाम से भी जाना जाता है. मां शैलपुत्री का विवाह भगवान शंकर के साथ हुआ और वो भगवान शिव की अर्धांगिनी बनीं इसलिए नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है और उन्हें घी का भोग लगाया जाता है.

बीती सदी के अद्वितीय करुणामय नेतृत्वकर्ता

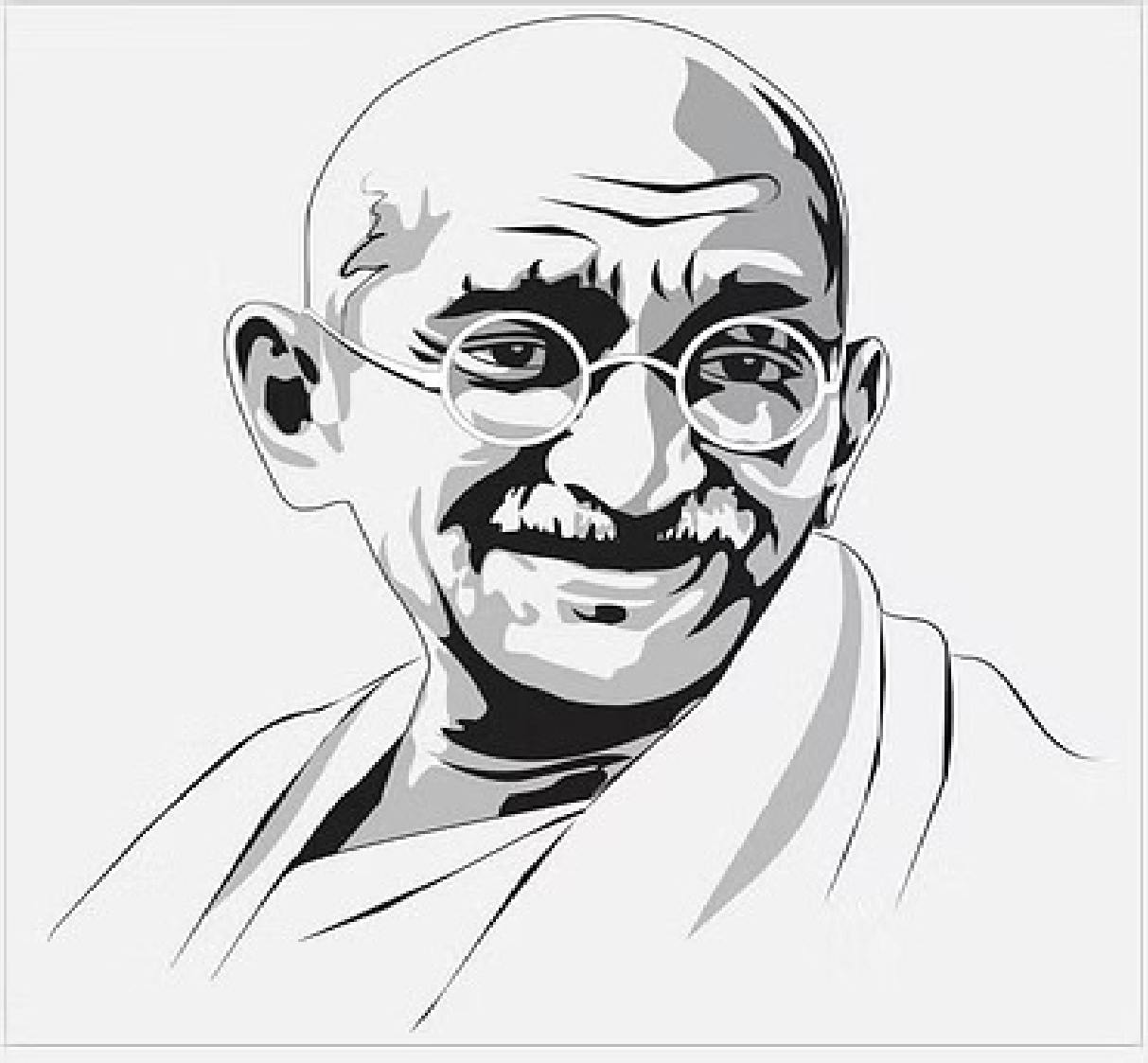

महात्मा गांधी 1917 में बिहार के चंपारण गए। वहां उन्होंने ब्रिटिश जमींदारों द्वारा नील की खेती करने वाले किसानों का क्रूर शोषण करीब से देखा। उन्होंने एक नए प्रकार का आंदोलन छेड़ा जिसे सत्याग्रह कहा। उन्होंने किसानों से अहिंसक तरीकों से अपना विरोध जताने को प्रेरित किया और उन्हें स्वच्छता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का महत्व सिखाया। कोई ज्यादा पुरानी बात नहीं है। पिछली सदी की ही बात है, जब मोहनदास करमचंद गांधी हमारी आपकी तरह इसी धरती पर चलते फिरते थे। उनकी हत्या कर दी गई। लेकिन उनके हत्यारे यह नहीं जानते थे कि कुछ लोग कभी नहीं मरते। उनके जीवन का संदेश काल और भूगोल की सारी सीमाओं को लांघ जाता है। गांधी को निःसंदेह ऐसे ही चिरंजीवियों में गिना जा सकता है। आखिर ऐसे लोग अमर क्यों हो जाते हैं? क्योंकि वे उन शाश्वत मानवीय मूल्यों को जीते हैं जो कभी नष्ट नहीं होते। वे उन मूल्यों को जनांदोलनों में बदल देते हैं। महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और शांति जैसे मूल्यों के साथ ऐसा ही सफल प्रयोग किया। इसके सहारे उन्होंने उन्होंने भारत की आजादी के लिए सबसे बड़ा जनांदोलन खड़ा किया। इसके अलावा, हर तरह के अन्याय, उत्पीड़न, दमन, भेदभाव और गरीबी के खिलाफ जीवन भर चला उनका संघर्ष भी इन्हीं सिद्धांतों से प्रेरित था।हमें याद रखना चाहिए कि करुणा ही अहिंसा, सत्य, शांति, न्याय और समावेश की बुनियाद है। ये सब करुणा के ही बाहरी साकार रूप हैं। करुणा पर आधारित जुड़ाव सबसे गहरे होते हैं। उनसे दूसरों के कष्ट के प्रति सबसे गहरी संवेदनाए. जागृत होती हैं। करुणा दूसरों के कष्ट से जुड़ने, साहस पैदा करने और उस कष्ट को दूर करने के लिए कुछ कर गुजरने को प्रेरित करती है। यह न केवल कष्ट को महसूस करने में मदद करती है, बल्कि घृणा और बदले की वैसी भावनाओं से भी बचाती है, जो पीड़ित और उत्पीड़न करने वाले, दोनों को अमानवीय बना देते हैं। महात्मा गांधी के करुणामय नेतृत्व के कुछ उदाहरण देखते हैं। 1917 में, वे बिहार के चंपारण गए। वहां उन्होंने ब्रिटिश जमींदारों द्वारा नील की खेती करने वाले किसानों का क्रूर शोषण करीब से देखा। उन्होंने एक नए प्रकार का आंदोलन छेड़ा जिसे सत्याग्रह कहा। उन्होंने किसानों से अहिंसक तरीकों से अपना विरोध जताने को प्रेरित किया और उन्हें स्वच्छता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का महत्व सिखाया। 1930 का 400 किमी का ऐतिहासिक नमक आंदोलन गांधी के करुणामय प्रतिरोध का एक अन्य उदाहरण था। उन्होंने नमक के उत्पादन और बिक्री के अंग्रेजों के एकाधिकार को चुनौती दी। उनका प्रतिरोध किसी व्यक्ति के प्रति नहीं, अन्यायपूर्ण कानूनों के खिलाफ था। गांधी की करुणा छुआछूत के खिलाफ उनके संघर्ष में अपने सबसे प्रभावशाली रूप में नजर आती है। उन्होंने छुआछूत को एक नैतिक और आध्यात्मिक अभिशाप समझा और इसे खत्म करने का प्रण लिया। 1932 में, उन्होंने 'अछूतों' के लिए अलग चुनावी व्यवस्था के ब्रिटिश प्रस्ताव के विरोध में अनशन किया। यह व्यवस्था अछूतों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के लिए बनाई गई थी, लेकिन गांधी ने इसे एक प्रकार के विभाजन के रूप में देखा, जो भारतीय समाज को और अधिक बांटने वाला साबित होता। गांधी अंग्रेजी राज के खिलाफ भारतीय प्रतिरोध के अगुआ थे, फिर भी उन्होंने कभी अंग्रेजों से घृणा नहीं की। उनकी करुणा उन लोगों के प्रति भी दिखी जिन्होंने उन्हें कैद किया या उन पर अत्याचार किया। जेल में रहते हुए, उन्होंने अंग्रेज सिपाहियों और जेल के अधिकारियों के लिए भी दया और सम्मान दिखाया और उन्हें अहिंसा का पाठ पढ़ाया। इसका परिणाम हुआ कि अंग्रेजों की हुकूमत को सख्ती से लागू करा रहे कई जेलरों का हृदय परिवर्तन हो गया और उनमें से कुछ ने तो बाद में उनकी बड़ी प्रशंसा भी की। अगस्त 1947 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता का जश्न मना रहा था, उस बीच सबसे भयानक हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़क उठे। साम्प्रदायिक उन्माद को रोकने और शांति बहाल करने के लिए गांधी ने कलकत्ता में एक अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया। गांधी हमेशा हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए लड़े। वे हर व्यक्ति के प्रति करुणा में विश्वास करते थे। यही उनकी हत्या का सबसे बड़ा कारण बना। ये बातें गांधी को आधुनिक युग का शीर्ष करुणामय नेतृत्वकर्ता बनाती हैं। गांधी मेरे लिए सबसे बड़े प्रेरणास्त्रोतों में से एक हैं, लेकिन मैं उनकी पूजा नहीं करता। मैं उन्हें एक ऐसे दर्पण की तरह लेता हूं, जो मुझे अपने अंतर्मन को देखने-परखने में मदद करता है, मुझे सत्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। मेरी यह कोशिश लगातार चलती है। जब हम किसी को पूजा की विषयवस्तु बना देते हैं, तो हमारी शुरुआत अपेक्षाओं, इच्छाओं या भय के साथ होती है और हम उसे स्वयं से दूर कर देते हैं। एक और खतरा यह है कि हम उसे मत-मजहबों और आस्था के विभिन्न रंगों में रंग देते हैं। इस तरह दर्पण धु.धला पड़ता जाता है। सच्चाई की जगह बनावट हावी हो जाती है। दुनिया इतनी विखंडित, विभाजित, ध्रुवीकृत, नफरत तथा हिंसा से भरी कभी नहीं रही जितनी आज है। मैंने अपने जीवन में साम्प्रदायिक विभाजन और घृणा के इस तरह के व्यवस्थित और आक्रामक फैलाव का अनुभव कभी नहीं किया। आज महात्मा गांधी की शिक्षाएं पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक और आवश्यक हो जाती हैं। यदि हम आज न्याय, समावेश और एकता के प्रति अपनी अंतर्निहित करुणा की चिन्गारी को नहीं सुलगाते, तो उनकी जन्म जयंती एक पारंपरिक उत्सव, एक मजाक भर बनकर रह जाएगी।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

भाजपा संगठन में महिलाओं को 33% आरक्षण है वही नगरी निकाय में 50% का

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मैहर । भारतीय जनता पार्टी की आज मैहर जिले में सदस्यता अभियान को लेकर बड़ी बैठक आयोजित की गई इस बैठक में मुख्य रूप से सीधी जिले के सांसद एवं मैहर जिले के सदस्यता प्रभारी श्री राजेश मिश्रा मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने कैलाश गौतम गोरेलाल रामखेलावन कॉल जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका दहिया जयंती तिवारी तारा विजय पटेल मंचासिंन रहे सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्याम प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण दीप प्रजनन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत भाषण कमलेश सुहाने द्वारा किया गया और अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान इन दिनों काफी तेजी से चल रहा है जिसने मैहर जिला ने अपने लक्ष्य को तेजी से प्राप्त किया है सभी पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता सक्रियता के साथ सदस्यता अभियान में लगे हुए हैं लेकिन सदस्यता अभियान को और जोर शोर से आगे बढ़ाना है और बूथ लेवल तक एक एक व्यक्ति को भारतीय जनता पार्टी की योजना और भाजपा की कर शैली जनता के बीच पहुंच कर उन्हें अपनी

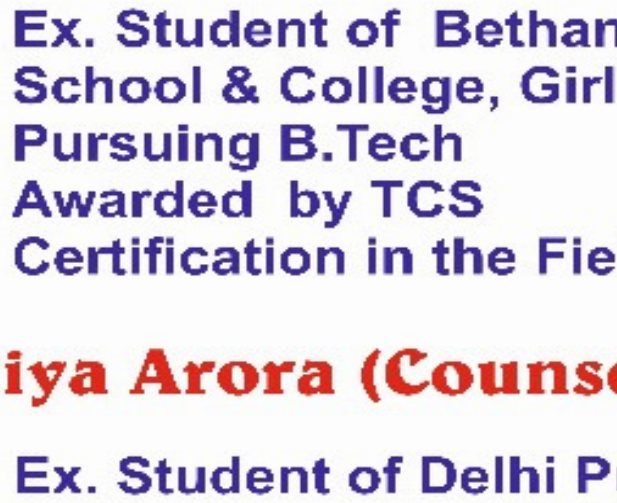

परिवार में जोड़ना है इस अवसर पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि हमारा परिवार बढ़ रहा है और सदस्यता अभियान में हम सबको मिलकर अपना लक्ष्य को पूरा करना है इसके लिए सभी को एक जुट होकर बूथ लेवल तक काम करना है इस अवसर पर सदस्यता अभियान को लेकर प्रभारी श्री राजेश मिश्रा श्री सांसद ने कहा कि पूरे प्रदेश के साथ साथ पूरे देश भर में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान चल रहा है लेकिन देखा जाए तो सदस्यता अभियान में एक ऐसा आंकड़ा सामने आया है जिसको देख कर सब आश्चर्यचकित है भारतीय जनता पार्टी ऐसा दल है जिसने महिलाओं को करीब लगभग 33ज़ संगठन में आरक्षण दे रखा है और वही नगरी निकाय क्षेत्रों में 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया है लेकिन उसके बावजूद सदस्यता अभियान में महिलाओं की सहभागिता बहुत कम दिख रही है इसको लेकर चिंता जाहिर की और महिलाओं को अधिक से अधिक परिवार में जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान को तेजी चलाने के लिए महिला भारतीय जनता पार्टी की जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को और सक्रियता के साथ सकरी होने के लिए निर्देशित किया गया है इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिले के पदाधिकारी मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता काफी मात्रा में उपस्थित रहे 1000 से अधिक सदस्य बनने वाले तीन कार्यकर्ताओं का किया गया सम्मान आज मैहर में भारतीय जनता पार्टी सदस्यता महाभियां की बैठक को लेकर के सीधी जिले के सांसद श्री राजेश मिश्रा एवं मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री कमलेश सुहाने द्वारा आज मैहर जिले में बैठक के दौरान 1000 से अधिक सदस्य बनने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया जिसमें से जयंती तिवारी जिन्होंने 1129 सदस्य अपने पर्सनल आईडी से बनाएं वहीं दूसरे नंबर पर नितिन ताम्रकार जिन्होंने 1000 से ऊपर सदस्य बनाए हैं वहीं प्रिंस शर्मा के भी 1000 से अतिरिक्त सदस्य थे इसके साथ ही प्रमोद सिंह भी 1000 से अतिरिक्त सदस्य बनाकर के सबसे आगे जिले में रहे हैं जिन्हे सम्मानित किया गया !

ईवीएम/वीवी पैट वेयर हाउस का किया गया मासिक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आज कलेक्ट्रेट में

स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस में पहुंचकर मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि गण एवं संबंधित अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। जिला मजिस्ट्रेट ने वेयर हाउस में निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में लगे संबंधित पुलिस स्टाफ से वार्ता करते हुए सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्राप्त करते हुए ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। उन्होंने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस के ताले पर लगी सील की जांच की, जो की सही पाई गई। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सीसीटीवी कैमरों का भी गहनता से अवलोकन किया गया, सभी कैमरे क्रियाशील पाए गए। इस अवसर पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा वेयर हाउस की सुरक्षा में लगे संबंधित पुलिस अधिकारियों को ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए एवं सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। निरीक्षण के दौरान ईवीएम/ वीवीपैट वेयर हाउस की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई। इस अवसर पर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की प्रतिनिधियों द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में संतोष प्रकट करते हुए सहमति दी गई।

ईरान-इस्त्राइल संघर्ष पर ट्रंप का अजीबो-गरीब बयान, कहा- ये दो स्कूली बच्चों की लड़ाई है

अमेरिका। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, यह वास्तव में बहुत बुरा है, लेकिन उन्हें यह प्रक्रिया

पूरी करनी होगी। इसे स्कूल के मैदान में दो बच्चों के बीच लड़ाई की तरह समझें। कभी-कभी आपको इसे छोड़ देना चाहिए।पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को इस्त्राइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष की तुलना स्कूल के मैदान में लड़ रहे दो बच्चों से की। उन्होंने कहा कि इस्त्राइल पर मंगलवार को हुए रॉकेट हमले जैसी घटनाएं कभी नहीं होनी चाहिए थीं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका मध्य पूर्व की स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, यह वास्तव में बहुत बुरा है, लेकिन उन्हें यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसे स्कूल के मैदान में दो बच्चों के बीच लड़ाई की तरह समझें। कभी-कभी आपको इसे छोड़ देना चाहिए। हम देखेंगे कि आगे क्या होता है। उन्होंने कहा कि, लेकिन यह एक भयानक युद्ध है और आप देख सकते हैं कि आज क्या हो रहा है। आप जानते हैं, यह कहां रुकने वाला है? आप इन ताकतों को देखिए। उन्होंने आज लगभग 200 रॉकेट मार गिराए। लेकिन यह वह तरीका नहीं है जिस तरह से किसी को जीना चाहिए। इसलिए हम स्पष्ट रूप से मध्य पूर्व में जारी संघर्ष में शामिल होने जा रहे हैं।

बॉलीवुड/टेली मसाला

स्वच्छ भारत मिशन' से जुड़े ये बॉलीवुड सितारे, स्वच्छता को लेकर दिया ये संदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गांधी जयंती के मौके पर दो अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों से 'स्वच्छ भारत मिशन' से जुड़कर महात्मा गांधी के स्वच्छता के सपने को साकार करने का आग्रह किया है। इस मिशन में बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई दिग्गज सितारे जुड़े हैं। इस मिशन में करीना कपूर खान, सैफ अली खान, कपिल शर्मा, टाइगर श्रॉफ, आलिया भट्ट जैसे सितारे जुड़े हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महात्मा गांधी की जयंती पर भारत को स्वच्छ बनाने के लिए नई मुहिम का हिस्सा हर भारतीय को बनाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस मिशन में अब बॉलीवुड सितारे भी शामिल हो रहे हैं। इस मिशन में करीना कपूर खान, सैफ अली खान, टाइगर श्रॉफ, कपिल शर्मा और आलिया भट्ट जैसे सितारे जुड़े हैं। करीना कपूर खान और सैफ अली खान के साथ वीडियो शेयर किया है। स्वच्छ भारत मिशन से जुड़ने का ऐलान करते हुए करीना कपूर खान वीडियो में कहती हैं कि आज मैं आपसे एक अभिनेत्री की तरह नहीं बल्कि एक मां की तरह बात करना चाहती हूं, अपने बच्चों के लिए सबसे अच्छा चाहती है। स्वच्छ भारत मिशन एक ऐसा मिशन है, जिसमें हर परिवार को भाग लेना चाहिए। सैफ अली खान कहते हैं कि हमारे लिए आज ये स्वच्छता से ज्यादा हमारे बच्चों के लिए आस पास के क्षेत्र को साफ लगने से ज्यादा अपने बच्चों के लिए एक उदाहरण बनाना चाहते हैं। महात्मा गांधी ने हमेशा कहा कि एक नए बदलाव की शुरुआत हमसे ही होती है। आइए हम इस मिशन का हिस्सा बनें जो हमारे लिए हमारे परिवारों के लिए एक उज्जवल भविष्य बनाए।अभिनेता टाइगर श्रॉफ भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन से जुड़े हैं। टाइगर ने वीडियो पोस्ट कर कहा, मैं आज महात्मा गांधी की बताई सीख के बारे में आपसे बात करने आया हूं। हमें अपने देश में अपनी अलग पहचान बनानी है। जैसे कि मार्शल आर्ट में लगन और शालीनता की जरूरत होती है। हमें इसी तरह 'स्वच्छ भारत मिशन' के साथ जुड़ना है।अभिनेत्री आलिया भट्ट भी पीएम मोदी के इस स्वच्छ भारत मिशन में जुड़ी हैं। आलिया भट्ट ने कहा है कि हम सभी स्वच्छ भारत मिशन से जुड़कर गांधी जी की शिक्षा को अपनाना चाहिए। आज प्रधानमंत्री मोदी के इस मिशन से जुड़ना पसंद करती हूं। इसके अलावा, पंकज त्रिपाठी भी इस स्वच्छता मिशन से जुड़े थे। स्वच्छता के बारे संदेश देते हुए पंकज त्रिपाठी ने भोजपुरी में अपना संदेश अपने क्षेत्रीय निवासियों को भेजा। स्वच्छ भारत मिशन पर स्वच्छता के मुद्दे पर कपिल शर्मा ने भी सोशल मीडिया के जरिए देशवासियों से स्वच्छता की अपील की है। उन्होंने कहा, 'हम अपने बच्चों को सिखाएं कि जैसे हम कचरा कूड़ेदान में डालते हैं, वैसे ही बाहर भी कूड़ेदान में ही डालें। ऐसे ही छोटे छोटे प्रयासों से हम दुनिया को बता पाएंगे कि हम हंसी मजाक ही नहीं इन कामों में भी आगे हैं'।

गोविंदा से मिलने अस्पताल पहुंचे भाई कीर्ति कुमार और कृपाशंकर सिंह, साझा किया अभिनेता का हेल्थ अपडेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेता और शिवसेना नेता गोविंदा मंगलवार सुबह मुंबई में अपने घर पर गलती से गोली लगने से घायल हो गए, जिसके बाद उनकी आपातकालीन सर्जरी हुई और अब उनकी हालत में सुधार हो रहा है। अभिनेता से मिलने के लिए राजनीति और फिल्मी जगत के कई सितारे अस्पताल पहुंचे थे। वहीं, अब गोविंदा की पत्नी और भाई भी अस्पताल पहुंचे और उन्होंने अभिनेता का हेल्थ अपडेट साझा किया।मीडिया से बात करते हुए अभिनेता के भाई कीर्ति कुमार ने कहा कि गोविंदा की हालत में सुधार हो रहा है और उनकी हालत स्थिर है। उनकी हालत बेहतर है। वह दो से तीन दिनों तक अस्पताल में रहेंगे। गोली निकाल दी गई है, और वह राहत महसूस कर रहे हैं। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। साथ ही उन्होंने सभी प्रशंसकों और मीडियाकर्मियों उन्होंने सभी की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देते हुए कहा। गोविंदा से मिलने अस्पताल राजनेता कृपाशंकर सिंह भी पहुंचे। उन्होंने भी अभिनेता के बारे में हेल्थ अपडेट साझा किया। उन्होंने कहा कि गोविंदा अभी पहले से बेहतर हैं। उन्हें अस्पताल में अच्छा इलाज मिला और वे खतरे से बाहर हैं। डॉक्टरों ने गोली निकाल दी है, चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन दो दिन उन्हें आराम करने की जरूरत है। मुंबई पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 4:45 बजे हुई जब गोविंदा की लाइसेंसी रिवॉल्वर गलती से चल गई, जब वह उसे अलमारी में वापस रख रहे थे। वह उस समय कोलकाता जाने की तैयारी कर रहे थे। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने बताया, 'गोविंदा कोलकाता जाने की तैयारी कर रहे थे और अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर को वापस अलमारी में रख रहे थे, तभी वह उनके हाथ से फिसल गई और बंदूक चल गई, जिससे उनके पैर में गोली लग गई। डॉक्टर ने गोली निकाल दी है और उनकी हालत स्थिर है। वह अभी भी अस्पताल में हैं।' पुलिस के एक अधिकारी ने भी पुष्टि की कि चोट गंभीर नहीं है और गोविंदा को एहतियात के तौर पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के सदस्य कृष्णा हेगड़े द्वारा साझा किए गए एक ऑडियो संदेश में गोविंदा ने सभी की प्रार्थनाओं और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'आप सभी और मेरे माता-पिता के आशीर्वाद से गोली निकाल दी गई है। मैं डॉक्टरों और आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे अपनी प्रार्थनाओं में रखा है।'

संजय दत्त से करीना कपूर तक इन सितारों ने दी गांधी जयंती की बधाई, साझा की पोस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर अभिनेता संजय दत्त, कीर्ति खरबंदा, करीना कपूर खान ने सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को बधाई दी है। सितारों ने सोशल मीडिया पर गांधी जी के विचारों को भी साझा किया है। भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर बॉलीवुड के सितारों ने भी सोशल मीडिया के जरिए महात्मा गांधी की जयंती पर सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट के जरिए सितारों ने गांधी के प्रति अपने प्रेम को दर्शाया है। अभिनेता संजय दत्त, कीर्ति खरबंदा, करीना कपूर खान ने सोशल मीडिया के जरिए महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें याद किया है। अभिनेता संजय दत्त ने सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' के एक सीन से फोटो लेकर पोस्ट की है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, बापू के ज्ञान, अहिंसा और गांधीगिरी को मनाने का दिन। बता दें संजय दत्त ने राजकुमार हिरानी की फिल्म लगे रहो मुन्ना भाई में डॉन का किरदार निभाया था, जिसे महात्मा गांधी दिखने लगते हैं और उनके बताए रास्ते पर चलकर वह लोगों की भलाई के लिए काम करने लगता है। अभिनेत्री कृति खरबंदा ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट साझा कर अपने प्रशंसकों को गांधी जयंती की बधाई दी है। कृति ने गांधी जी के कोट के साथ उनके जन्मदिन पर केक देखते हुए फोटो साझा की है। इसमें लिखा है, 'बहुत ही आदर्श तरीके से आप पूरी दुनिया को हिलाकर रख देने की ताकत रखते हैं'। करीना कपूर खान ने भी अपने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए प्रशंसकों को गांधी जयंती की बधाई दी है। इस फोटो में गांधी जी की ब्लैक एंड व्हाइट फोटो है। लिखा है, 'गांधी जयंती'। परिणीति चोपड़ा ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर महात्मा गांधी को लेकर एक पोस्ट साझा की है। इसमें परिणीति चोपड़ा के पति राघव चड्ढा गांधी जी के बारे में बता रहे हैं। वे कहते हैं कि हम कितने भाग्यशाली हैं कि गांधी भारत में पैदा हुए। इस वीडियो में राघव गांधी जी के बारे में बात कर रहे हैं और उनकी उपलब्धियों के बारे में बताते हैं।

आमिर खान की पूर्व पत्नी रीना दत्ता के पिता का निधन, अंतिम दर्शन के लिए मुंबई पहुंचे अभिनेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान की पूर्व पत्नी रीना दत्ता के पिता का बुधवार (2 अक्तूबर) को मुंबई में निधन हो गया। आमिर खान रीना के घर उनके अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें आमिर रीना के मुंबई स्थित घर से निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। इससे पहले आज आमिर की मां जीनत हुसैन भी रीना के घर पहुंचीं और मुश्किल समय में उनका साथ दिया। उनके पिता की मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी थे। आमिर की शादी रीना से 16 साल तक चली। 2002 में दोनों अलग हो गए। कपल का एक बेटा जुनैद खान और एक बेटी आयरा खान हैं।इसके बाद आमिर ने 2005 में किरण राव से शादी की और 2021 में अलग होने की घोषणा की। वे अच्छे दोस्त बने हुए हैं और अपने बेटे आजाद के सह-माता-पिता भी हैं। आमिर ने साल 1986 में रीना से शादी की थी, जब वह सिर्फ 21 साल के थे। उस समय रीना 19 साल की थीं। उन्होंने एक गुप्त कोर्ट मैरिज की थी। एक इंटरव्यू में, अभिनेता ने खुलासा किया था कि पूरी शादी में उनका खर्च 10 रुपये से भी कम था, क्योंकि वे विवाह रजिस्ट्रार के कार्यालय में बस से गए थे। 'कॉफी विद करण' के एक एपिसोड में आमिर ने रीना से अपने अलगाव को दुखद बताया था। उन्होंने कहा था, ठरीना और मैं 16 साल तक शादीशुदा रहे। जब हम अलग हुए, तो यह हमारे और हमारे परिवारों के लिए दुखद था। हमने इस स्थिति से निपटने की हर संभव कोशिश की। रीना और मैंने अलग होने के बाद एक-दूसरे के लिए प्यार या सम्मान नहीं खोया।

अंकिता लोखंडे ने 'मम्मी-पापा' की तस्वीरें साझा कर जताया प्यार, मां ने दिया इस अंदाज में जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेत्री अंकिता लोखंडे अपनी मां से बहुत प्यार करती हैं और उनके बेहद करीब हैं। साथ में अंकिता और उनके पापा भी नजर आ रहे हैं। अंकिता लोखंडे ने अपनी मां की पुरानी फोटो का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें अंकिता, उनकी मां वंदना लोखंडे और पापा भी नजर आ रहे हैं। अंकिता ने इस पोस्ट में लिखा- 'मां ये आपके लिए, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं, जितना आप जानती हैं उससे भी ज्यादा'। अंकिता अपनी मां के बेहद करीब हैं। अंकित जिस शो में जाती हैं, उनकी मां भी अक्सर उनके साथ सेट पर नजर आती हैं। अंकिता ने अपनी मां के साथ जो तस्वीरें साझा कीं, उस पर उनकी मां ने कमेंट कर अपना प्यार जाहिर किया है। अंकिता की मां ने जवाब दिया, 'मिंटू मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं जो भगवान ने तुम्हे मेरे पास बेटी के रूप में भेजा है। तुम्हे बहुत सारा प्यार। बहुत सारा आशीर्वाद। मैं तुम्हे पाकर बहुत ही सौभाग्यशाली महसूस करती हूं'। अंकिता की इस पोस्ट पर प्रशंसकों ने कई तरह के कमेंट किए हैं।

विजय की आखिरी फिल्म में नजर आएंगी पूजा हेगड़े, निर्माताओं ने किया आधिकारिक एलान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पूजा हेगड़े जल्द ही एक बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। हाल ही में दलपति 69 के निर्माताओं ने सोशल मीडिया के जरिए बताया है कि विजय की आखिरी फिल्म में पूजा हेगड़े नजर आने वाली हैं। पूजा हेगड़े के जल्द ही बड़े पर्दे पर विजय के साथ नजर आने वाली हैं। एच विनोथ के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनकी आधिकारिक रूप से एंट्री हो गई है। बुधवार (2 अक्तूबर) दलपति 69 के निर्माताओं ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि पूजा इस फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। यह दूसरा मौका है जब विजय और पूजा एक साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे। इससे पहले दोनों सितारे फिल्म बीस्ट में एक साथ काम कर चुके हैं। दलपति 69 विजय के करियर की आखिरी फिल्म है। इसके बाद वह राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय नजर आएंगे। प्रोडक्शन हाउस की ओर से साझा की गई पोस्ट में लिखा है, ठहम एक बार फिर से शानदार जोड़ी को बड़े पर्दे पर ला रहे हैं। हम जानते हैं कि आपने पहले ही पता लगा लिया था, लेकिन आधिकारिक तौर पर पूजा हेगड़े का स्वागत है।ठ घोषणा पूजा हेगड़े ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दिल के इमोजी के साथ लिखा, ठहां! एक बार फिर से दलपति विजय के साथ जादू बिखेरने की उम्मीद है।इससे पहले 1 अक्टूबर को प्रोडक्शन हाउस ने बॉबी देओल ने नाम की घोषणा की थी। इस फिल्म में वह मुख्य खलनायक की भूमिका निभाएंगे। सूर्या की कंगुवा के बाद यह उनकी दूसरी तमिल फिल्म है, जो 14 नवंबर को रिलीज होगी। दलपति 69 एक राजनीतिक थ्रिलर फिल्म है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म की शूटिंग 5 अक्टूबर से शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है।

राही अनिल बर्वे ने डेब्यू फिल्म निर्माताओं को घोटालों पर दी चेतावनी, तुम्बाड़ मेकर्स पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तुम्बाड' के निर्देशक का कहना है कि हिंदी फिल्म उद्योग में बौद्धिक संपदा अधिकार और पहली बार आने वाले कलाकार की फीस को अक्सर एक मजाक के रूप में देखा जाता है। 2018 की हॉरर फिल्म तुम्बाड़ के निर्माताओं और इसके निर्देशक राही अनिल बर्वे के बीच दरार की अटकलें पिछले कुछ समय से हवा में हैं। फिल्म के दोबारा रिलीज के प्रचार अभियान के दौरान उनकी अनुपस्थिति और सीक्वल से बाहर निकलने ने आग में घी डालने का काम किया, जबकि हाल ही में अभिनेता सोहम शाह ने कहा है कि उनके बीच सब ठीक है, लेकिन अभी भी ऐसा लग रहा है कि राही और निर्माताओं के बीच तनाव है। दरअसल, ऐसा इसलिए अनुमान लगाया जा रहा है कि राही अनिल बर्वे ने उभरते फिल्म निर्माताओं को बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) से संबंधित बॉलीवुड में संभावित घोटालों के बारे में चेतावनी जारी की है। 'तुम्बाड़' के निर्देशक का कहना है कि हिंदी फिल्म उद्योग में बौद्धिक संपदा अधिकार और पहली बार आने वाले कलाकार की फीस को अक्सर एक मजाक के रूप में देखा जाता है। उन्होंने नए फिल्म निर्माताओं से स्टूडियो के साथ कानूनी अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय सतर्क रहने का आग्रह किया है। निर्देशक की यह टिप्पणी उनके उस बयान के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह 'तुम्बाड़' सीक्वल के लिए वापस नहीं आएंगे, जिसकी घोषणा फिल्म के मुख्य कलाकार और निर्माता सोहम शाह ने 13 सितंबर को दोबारा रिलीज होने के बाद की थी। 'तुम्बाड़' मूल रूप से 2018 में रिलीज हुई थी, जो राही अनिल बर्वे की पहली फिल्म थी, जिसे उन्होंने मराठी लेखक नारायण धरप की कहानी पर आधारित लिखा था। अब उन्होंने पहली फिल्म करने वालों को चेतावनी जारी कर इस ओर इशारा किया है कि अभी भी सोहम और उनके बीच तनाव है अपनी पोस्ट में राही ने लिखा, 'अपनी पहली फिल्म बनाते समय सावधान रहें। बॉलीवुड में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और पहली बार काम करने वालों की फीस को अक्सर स्टूडियो के कानूनी अनुबंधों में मजाक के तौर पर देखा जाता है।

आज के दिन हुई थी सायरा बानो-दिलीप कुमार की सगाई, साहब को याद कर अभिनेत्री ने लिखा खूबसूरत नोट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सायरा बानो और दिलीप कुमार ने वर्ष 1966 में आज के ही दिन सगाई की थी। जिंदगी के इस खास दिन पर अभिनेत्री ने साहब को याद कर एक भावुक पोस्ट साझा किया है। 2 अक्तूबर 1966! यह दिन सायरा बानो की जिंदगी में बेहद अहमियत रखता है। यही वो दिन है जब वे अपने साहब के साथ जिंदगी के सफर पर निकलीं। सायरा बानो और दिलीप कुमार ने आज ही के दिन सगाई की थी। दोनों ने उम्र की सीमा को तोड़कर एक-दूजे का हाथ थामा था। दिलीप कुमार तो अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन ऐसा कोई दिन, कोई लम्हा नहीं जाता, जब सायरा बानो उन्हें याद न करती हों। फिर आज तो बेहद खूबसूरत दिन है। अभिनेत्री ने एक बेहद प्यारा पोस्ट साझा किया है। सायरा बानो इंस्टाग्राम पर अक्सर थ्रोबैक किस्से और तस्वीरें साझा करती हैं। अपनी इंगेजमेंट डे पर उन्होंने अपनी और दिलीप कुमार की सगाई की तस्वीरें साझा की हैं और इसके साथ लिखा है, 'मोहब्बत में सवाल नहीं किए जाते....यह लाइनें फिल्म 'हेरा-फेरी' में मैंने कही हैं और अब मैं सोचा करती हूं कि इन लाइनों के क्या मायने हैं सायरा बानो ने आगे लिखा है, 'प्यार का सबसे पवित्र रूप अपने प्रेमी पर इतना विश्वास करना है कि सवाल करने की जरूरत ही खत्म हो जाए। मैंने जब से अपने सच्चे प्यार, अपने प्रिय, दिलीप साहब के साथ इस यादगार दिन 2 अक्तूबर 1966 को जिंदगी का सफर शुरू किया, मैंने कभी किसी चीज पर सवाल नहीं उठाया। चाहे वह उतार-चढ़ाव हो या फिर बीच के शांत पल, मैंने कभी भी उन पर शक नहीं किया और न ही कोई सवाल किया'। अभिनेत्री ने आगे लिखा है, 'मैंने बस प्यार किया, क्योंकि प्यार, आप देखिए, प्यार वह नींव है, जिस पर बाकी सब खड़ा है। यह आपको किसी भी बोझ, शक या अपेक्षाओं से मुक्त करता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।